डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 263 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 09 जुलाई 2025 | मूल्य 2 रुपया

सलमान लाला ने दुबई में खरीदी 3.64 करोड़ की संपती

फरारी के दौरान बनवाया वीजा, नौकरी के बहाने ली वैध पहचान

प्रतापगढ़, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कुख्यात अपराधी सलमान उर्फ सलमान लाला को लेकर एक बड़ा खुलासा सामने आया है। सलमान ने बांसवाड़ा जिला जैल में बंद रहते हुए नहीं, बल्कि फरार रहने के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारी कर डाली थी। 27 मार्च 2023 को उसने दुबई का रेजिडेंट वीजा प्राप्त किया और बाद में वहां 3.64 करोड़ रुपए की संपत्ति भी खरीद ली। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पासपोर्ट बनवाते समय सलमान ने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को छिपाया, जो अब पासपोर्ट अधिनियम के उल्लंघन का मामला बनता है।

13 जनवरी 2023 को मध्यप्रदेश के उज्जैन और नागदा में सलमान के खिलाफ सरकारी स्कूल परिसर में बार बालाओं को नचाने का मामला दर्ज हुआ। इसके तुरंत बाद वह फरार हो गया। फरवरी 2023 में बांसवाड़ा में व्यापारियों से फिरौती मांगने और फायरिंग की घटनाओं में शामिल रहा। इस दौरान दो थानों में मामले दर्ज हुए, बावजूद सलमान के खिलाफ जारी किसी भी आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी पासपोर्ट अथॉरिटी तक नहीं पहुंची। यही वजह रही कि उसने पहले से तैयार पासपोर्ट के जरिए 27 मार्च 2023 को दुबई का वीजा हासिल कर लिया।

खुद को लोहार के रूप में पंजीकृत किया...

सलमान ने वीजा मिलने के बाद दुबई में खुद को ब्लैकस्मिथ यानी लोहार के रूप में पंजीकृत किया। इस पहचान पर उसे यूएई की एमिरेट्स आईडी जारी हुई, जो देश में रहने और काम करने की वैध पहचान होती है। इसी के सहारे उसने आगे दुबई के लैंड डिपार्टमेंट में प्रॉपर्टी डील दर्ज करवाई और करीब 1.61 मिलियन अमीरात दिरहम यानी लगभग 3.64 करोड़ रुपए की संपत्ति अपने नाम कर ली। इन तमाम गतिविधियों में उसने भारतीय नागरिकता, पासपोर्ट और रेजिडेंट स्टेटस का पूरा उपयोग किया।

क्यों नहीं मिला सिस्टम को सुराग...

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सलमान पर पहले से गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे, वह फरार था और उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट तक जारी हो चुके थे, तब वह कैसे दुबई पहुंच गया? सूत्रों के मुताबिक विदेश मंत्रालय को रिपोर्ट भेजी जा रही है, जिससे उसके पासपोर्ट को रद्द करने की कार्रवाई हो सके। साथ ही दुबई स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से प्रॉपर्टी के दस्तावेज और निवेश की पूरी जानकारी मंगवाई जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि यह पूरी डील अपराध से अर्जित धन से हुई है, ऐसे में ईडी और इंटरपोल तक भी जांच का दायरा बढ़ सकता है।

शासन की गाइडलाइन पर खरे नहीं उतर पाए कई स्कूल..!

पैंतीस निजी स्कूलों में लग गए ताले, अभिभावक परेशान

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले के शिक्षा क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। शासन की सख्ती के चलते जिले के लगभग 35 निजी स्कूलों पर ताला लग गया है। शिक्षा सत्र 2025-26 की शुरुआत के साथ ही यह स्कूल शासन की निर्धारित गाइडलाइन और मानकों पर खरे नहीं उतर सके। भवन की सुरक्षा, खेल मैदान, शिक्षकों की योग्यता, मान्यता नवीनीकरण, शुल्क संरचना की जानकारी और मूलभूत सुविधाओं को पुरा नहीं कर पा रहे थे।

शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के यह सभी 35 स्कूल हैं। इन स्कूलों के बंद होने से छात्रों और उनके अभिभावकों को नए स्कूलों में प्रवेश के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। सरकारी और शेष निजी स्कूलों में प्रवेश के लिए लंबी लाइनें लग रही हैं। कई अभिभावक स्कूल दर स्कूल भटक रहे हैं। लेकिन सीटें सीमित होने के कारण बच्चों का एडमिशन नहीं हो पा रहा है। खासकर पांचवीं से आठवीं तक की कक्षाओं में बच्चों के अभिभावकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

निर्धारित गाईड लाईन को पूरा नहीं कर पाए स्कूल...

निजी स्कूलों में बीएड और डीएड डिग्री वाले शिक्षक ही अनिवार्य कर दिए गए थे। शिक्षकों का आधार कार्ड स्कैन हो जाने से हर एक शिक्षक की जानकारी विभाग के पास पहुंच गई थी। इससे एक ही शिक्षक का नाम दो स्कूलों में नहीं चल सका। इधर नियमों के पालन की अनिवार्यता भी एक कारण रही। जिसमें मान्यता दस्तावेज, भवन प्रमाण पत्र, अग्नि सुरक्षा, पेयजल सुविधा, शौचालय और खेल सामग्री सहित अन्य आवश्यकताओं को भी स्कूल पुरा नहीं कर पाए।

मान्यता के लिए किराएनामा किया अनिवार्य...

प्राइवेट स्कूलों की मान्यता नवीनीकरण के नियमों में बदलाव के कारण यह दिक्कत आई। नए नियमों के तहत मान्यता के लिये किरायानामा अनिवार्य कर दिया है। इस पर कई स्कूलों के सामने दिक्कत आई। खासतौर से वे जो पट्टे की भूमि या फिर ट्रस्ट से संचालित हैं। इनके पास न तो रजिस्ट्री है और न ही किरायानामा। इस कारण इनका नवीनीकरण रूक गया।

एडमिशन के लिए होना पड़ रहा परेशान...

स्कूल बंद होने से निजी व सरकारी स्कूलों में एडमिशन की भीड़ बढी है। अभिभावक अपने बच्चों को लेकर स्कूलों के चक्कर लगा रहे हैं। सरकारी स्कूलों की तरफ भी अभिभावकों ने रुख किया है। दूसरी, तीसरी, चौथी से आठवीं तक की कक्षाओं में एडमिशन के लिए पालकों को परेशान होना पड़ रहा है।

आरटीई के तहत पढ़ने वाले बच्चों के लिए परेशानी...

इस पूरे मामले में आरटीई के तहत पढ़ने वाले बच्चों के प्रवेश अवैध हो गए। जो स्कूल बंद हुए है, उसमें भी बड़ी संख्या में आरटीई के तहत एडमीशन लेकर बचे पढ रहे थे। प्रदेश के स्कूलों में पहली बार 2011 में आरटीई के तहत बच्चों के एडमिशन शुरू हुए। कोरोनाकाल को छोड प्रक्रिया हर साल जारी है। स्कूल शिक्षा विभाग प्राइवेट स्कूलों से रिपोर्ट मांगता है, उसके बाद फीस दी जाती है।

गांधीसागर में पांच चीते और आएंगे

दो मादा व तीन नर चीते होंगे, कुनबा बढ़कर सात का हो जायेगा

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले के आखरी छोर पर स्थित गांधीसागर अभ्यारण्य में पांच ओर चीतें लाने की तैयारी की जा रही है। यहां अफ्रीका से 05 नए चीतों को लाया जाएगा, जिनमें 03 नर और 02 मादा चीते शामिल हैं। इन चीतों को लाने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। भोपाल और दिल्ली की टीम ने इसके लिए अफ्रीका का दौरा भी कर लिया है। अभी अभयारण्य में प्रभास और पावक नाम के दो चीते रह रहे हैं। इन्हें 20 अप्रैल को रामपुरा पठार क्षेत्र में छोड़ा गया था। ढाई महीने से दोनों चीते यहां स्वस्थ रह रहे हैं और हर दूसरे या तीसरे दिन शिकार कर रहे हैं।

जिले में 15 अगस्त के बाद दक्षिण अफ्रीका से 05 और चीतों को लाने की तैयारी हो गई है। इनको गांधीसागर लाने के लिए भोपाल व दिल्ली की टीम ने अफ्रीका का दौरा कर लिया है। अब जिम्मेदार नर व मादा चीतों की संख्या पर विचार कर रहे हैं। ताकि इनका कुनबा बढ़ सके। सभी स्थितियों का आकलन कर संख्या तय की जाएगी। 03 नर व 02 मादा चीते जल्द गांधीसागर आ सकते हैं। अफ्रीका से आने की वजह से इन्हें भी पहले बोमा में क्वारेंटाइन किया जाएगा। जहां इनके स्वास्थ्य पर निगरानी रखी जाएगी।

गांधीसागर अभयारण्य में ईको सिस्टम को बनाए रखने के लिए रामपुरा पठार क्षेत्र में इस साल अप्रैल में प्रभास व पावक नाम के दो चीतों को छोड़ा था। ढाई माह से वे यहां अच्छे से रह रहे हैं और उनकी सेहत में सुधार है। दोनों हर दूसरे व तीसरे दिन शिकार कर रहे हैं। अब शासन ने गांधीसागर में भी चीतों की आबादी को बढाने की तैयारी शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार गांधीसागर में अब अफ्रीका से चीतों को लाया जाएगा। मंदसौर डीएफओ संजय रायखेरे ने बताया कि ये चीते अफ्रीका से आएंगे। ऐसे में इन्हें पहले कूनो की तरह एक से दो माह क्वारेंटाइन रखा जाएगा। ये किसी तरह के वायरस को तो नहीं लाए, इसकी जांच होगी। इनके स्वस्थ होने पर कुछ समय बाद इन्हें जंगल में छोड़ा जाएगा।

प्रभास व पावक ने ढाई माह में किया 35 बार शिकार...

गांधीसागर में अप्रैल में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कूनो से लाए दो चीतों प्रभास व पावक को छोड़ा था। अधिकारियों के अनुसार इन्होंने ढाई माह में 35 बार शिकार किया। इसमें से 17 बार नीलगाय का शिकार किया, जिसमें 8 वयस्क नीलगायें शामिल हैं। अब तक दोनों स्वस्थ हैं व इन्हें उपचार की आवश्यकता नहीं पड़ी है। गांधीसागर में डॉक्टर आकाश वाल्मिक, डॉ. सुमित पटेल एवं गंगा दत्त नियुक्त हैं। जो चीते के स्वास्थ्य पर नजर रख रहे हैं।

डॉक्टर पारीख के घर चोरी की कोशिश

सीसीटीवी में कैद हुआ नकाबपोश, परिवार को जागते देखकर भागा बदमाश

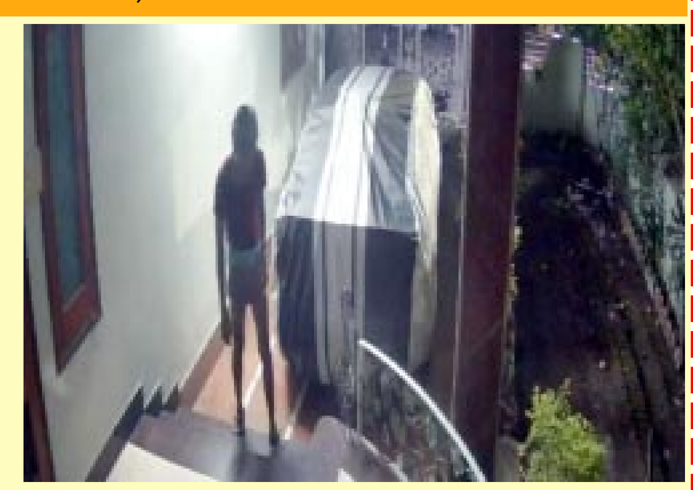

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शहर की किटियानी कॉलोनी स्थित डॉक्टर अभिनव पारीख के घर सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात एक नकाबपोश बदमाश ने चोरी की कोशिश की। घर में परिवार के मौजूद होने और जागते रहने के कारण बदमाश कुछ चुरा नहीं पाया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

बता दें कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले डॉक्टर विजय शंकर मिश्र के घर चोरी हुई थी। रामटेकरी में डॉ. गुलाटी और डॉ. धाकड़ के खाली मकानों को भी चोरों ने निशाना बनाया। गांधीनगर की केशव रिद्धि कॉलोनी में आदित्य डोरिया के खाली मकान में भी चोरों ने उथल-पुथल मचाई। डॉक्टर पारीख के घर चोर काफी देर तक घर की बाउंड्री के आसपास घूम कर सेंधमारी करता रहा। घर में परिवार के जागते होने के कारण चोर को खाली हाथ लौटना पड़ा। शहर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही चोरी की वारदातों से नागरिकों में चिंता बढ़ी है। फिलहाल पुलिस चोरों तक पहुंचने में असफल है। स्थानीय लोगों की मांग है कि पुलिस गश्त बढ़ाए और ऐसी वारदातो पर रोक लगाए।

ग्राहक बनकर आये और सराफा दुकान से छह लाख के गहने चुरा ले गए

मनासा, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगर की एक सराफा दुकान से 06 लाख रुपए के सोने के जेवर चोरी हो गए। मंगलवार शाम करीब 05 बजे की यह घटना अल्हेड गेट चौराहे पर स्थित कैलाश चंद्र सोनी की दुकान में हुई।

दो महिलाएं और एक पुरुष ग्राहक बनकर दुकान में आए। उन्होंने नकली सोने की बाली दिखाकर वैसा ही मॉडल मांगा और अन्य जेवर भी देखे। कुछ देर बाद वे बिना कुछ खरीदे चले गए। दुकानदार को बाद में पता चला कि 58 ग्राम सोने से भरी एक डिब्बी गायब है। इसमें टॉप्स, झुमकी, पैंडल और अन्य मिक्स आइटम थे। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी लाल रंग की बिना नंबर की होंडा पैशन प्रो से आते और जाते दिखे। थाना प्रभारी शिव रघुवंशी ने बताया कि फुटेज के आधार पर जांच जारी है। महिलाओं ने ये नकली सोने की बाली दिखाकर इसी तरह की बाली दुकानदार से मांगी थी।

मौसमी बीमारियां- बड़े अस्पताल की ओपीडी में इन दिनो मरीजों की भीड़ देखी जा रही है। डाक्टरो के मुताबिक मौसम परिवर्तन के चलते लोग ज्यादा बीमार हो रहे है।

गरीबो के राशन का मामला: मंदसौर में 92 प्रतिशत हुई ई-केवायसी

तीन माह से चल रहा अभियान, रतलाम और नीमच पिछड़े

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सरकार ने शासकीय योजनाओं के लाभ के साथ ही स्कूल से लेकर राशन व अन्य कार्यों के लिए समग्र आईडी का ई-केवायसी कराना अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए तीन माह तक अभियान चलाया गया। इसमें मंदसौर जिले का काम बेहतर रहा। सरकार इसके लिए दो बार तारीख बढ़ा चुकी है। इसके बावजूद मंदसौर आठ प्रतिशत, नीमच 20 प्रतिशत व रतलाम 32 प्रतिशत दूर है। इसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बताया गया है कि मंदसौर में 92 प्रतिशत समग्र आईडी की ई-केवायसी हो चुकी है। यहां पर 09 लाख 97 हजार 521 पंजीकृत लोगों में से 9 लाख 15 हजार 489 की इ-केवायसी हो चुकी है। इसी प्रकार नीमच में 79.86 प्रतिशत ई-केवायसी हुई है। यहां पर आठ लाख 99 हजार में से सात लाख 18 हजार की ई केवायसी हो चुकी है। रतलाम में अभी तक 61.86 प्रतिशत की ई-केवायसी हो पाई है। यहां पर करीब 20 लाख में से 12 लाख 37 हजार की ई केवाइसी हो पाई है। समग्र आईडी को आधार कार्ड या मोबाइल नंबर से लिंक करने के लिए ई-केवायसी की प्रक्रिया शुरू करने का सरकार का मुय उद्देश्य फर्जी या डुप्लीकेट समग्र आईडी पर अंकुश लगाना व सही व्यक्ति को योजनाओं का लाभ दिलाना है। आधार से अपडेट होने पर फर्जी या डुप्लीकेट समग्र आईडी से निजात मिलेगी।

विधायक प्रतिनिधि की संदिग्ध हालात में मौत

बेटे ने जताई हत्या की आशंका, लेन-देन के झगड़े में हुई थी मारपीट, एसआईटी गठित

रतलाम, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिले के सरसी निवासी कन्हैयालाल धाकड़ का सोमवार रात शव मिला। वे आलोट विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय के प्रतिनिधि थे। बेटे अजय धाकड़ ने पिता की हत्या की आशंका जताई है। बताया है कि 10 दिन पहले गांव के दो लोगों से विवाद हुआ था। इसी बीच सोमवार रात उनका शव सरसी-केरवासा रोड पर मिट्टी के ढेर के पास बाइक के साथ पड़ा मिला। एसपी अमित कुमार ने जांच के लिए एसआईटी बनाई है।

जानकारी के मुताबिक 23 जून की रात श्री धाकड़ गांव में दो पक्षों के बीच रुपयों के लेनदेन संबंधी विवाद सुलझाने पहुंचे थे। इसी दौरान शहजाद खान और विनोद खारोल से बहस हुई, जिसमें उन्होंने धाकड के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की थी। इस मामले में अगले दिन धाकड़ ने जावरा औद्योगिक थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जैल भेज दिया था।

श्री धाकड़ने शिकायत में बताया था कि बस स्टैंड पर समझौते की बात चल रही थी, तभी शहजाद ने कहा- तू बीच में बोलने वाला कौन होता है? और फिर मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों पर धारा 296, 115(2), 351(2) और 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। एसपी अमित कुमार ने कहा कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। एसआईटी गठित कर दी गई है। जल्द ही सचाई सामने लाई जाएगी।

सट्टा कारोबार का आरोप...

श्री धाकड़ ने मारपीट के अगले दिन रतलाम एसपी अमित कुमार से भी मुलाकात की थी। आवेदन में बताया गया था कि आरोपी शहजाद खान गांव में ऑनलाइन सट्टा एप चला रहा है। लोगों से निवेश करवाकर उन्हें बर्बाद कर चुका है और अवैध रूप से बड़ी प्रॉपर्टी बना ली है। इसकी जांच की मांग की गई थी।

डॉग स्क्वॉड बुलाया, जांच में जुटी पुलिस...

मंगलवार सुबह घटनास्थल पर डॉग स्क्वॉड भी पहुंचा और सर्चिंग की। एएसपी राकेश खाखा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं एसपी ने जांच के लिए एसआईटी गठित की है। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

विचार-मंथन

संघर्ष के कई मोर्चों पर तैयारी की जरूरत

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत के 'आपरेशन सिंदूर' की सफलता ने दुनिया को यह साफ संदेश दिया है कि सीमा पार से आतंकवाद को अब कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान भी अब दबी जुबान में यह स्वीकार कर रहा है कि चार दिन के सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के लक्षित हमलों से उसे नुकसान झेलना पड़ा है। वह भी ऐसी स्थिति में जब चीन और तुर्किये न केवल कूटनीतिक, बल्कि तकनीकी और हथियारों की आपूर्ति में भी पाकिस्तान का सहयोग कर रहे थे। इस संघर्ष में चीन और तुर्किये की भूमिका पहले भी उजागर हो चुकी है, लेकिन अब भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने खुलासा किया है कि चीन भारतीय सैन्य तैनाती की पाकिस्तान को सीधी जानकारी दे रहा था। यही नहीं, चीन ने पाकिस्तान के चेहरे का इस्तेमाल कर इस संघर्ष को अपने हथियारों के परीक्षण की प्रयोगशाला की तरह लिया। हालांकि, भारतीय सैन्य बलों की जवाबी कार्रवाई ने चीन के इस परीक्षण के नतीजों की सच्चाई भी सबके सामने ला दी है। चीनी हथियारों के हर वार को नाकाम कर भारत ने यह साबित कर दिया है कि उसके सुरक्षा कवच को भेदना इतना आसान नहीं है। मगर, पाकिस्तान को चीन और तुर्किये का साथ मिलने से यह बात भी साफ हो गई है कि भविष्य में भारत के लिए चुनौतियां और बढ़ेंगी, जिनसे निपटने के लिए कई मोर्चों पर तैयारी की जरूरत है। भारत दुनिया में तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि पाकिस्तान और चीन की दोस्ती भारत की वजह से है। दरअसल, भारत दुनिया में तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और चीन भविष्य की संभावनाओं को लेकर इससे चिंतित है। इसलिए वह कूटनीतिक तरीके से

पाकिस्तान को अपने पाले में बनाए रखना चाहता है। संकट के दौरान पाकिस्तान की मदद करने से भी वह पीछे नहीं हटता है। इसके पीछे चीन के अपने निजी स्वार्थ निहित हैं। उधर, तुर्किये भी पाकिस्तान का मददगार बना हुआ है, लेकिन भारत को सीधे तौर पर तुर्किये से कोई खतरा नहीं है। चीन से चुनौती इसलिए है, क्योंकि पाकिस्तान की तरह उसके साथ भी भारत की सीमा लगती है। भारत और चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) विभाजित करती है और चीन यहां पर घुसपैठ की नाकाम कोशिश करता रहता है। भारतीय सेना के उप प्रमुख के मुताबिक, सात से दस मई के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तान सिर्फ सामने नजर आ रहा था, पर्दे के पीछे चीन और तुर्किये उसे हरसंभव सहायता दे रहे थे। चीन अपने उपग्रहों का उपयोग भारतीय सैन्य तैनाती की निगरानी के लिए कर रहा था। बहरहाल, रक्षा मामलों में चीन और पाकिस्तान को अलग-अलग करके देखना सही नहीं होगा। 'आपरेशन सिंदूर' के बाद यह तस्वीर साफ हो गई है कि चीन और पाकिस्तान ने अपनी रक्षा रणनीतियों में गहरा तालमेल बना लिया है। जब कभी पाकिस्तान से भारत के सैन्य टकराव की स्थिति आएगी, चीन भले ही परोक्ष रूप से, लेकिन उसमें खास भूमिका निभाएगा। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए भारत को खुद को तैयार करना होगा। रक्षा उद्योग को अनुसंधान और विकास पर अधिक निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा, ताकि रक्षा मामलों में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत किया जा सके। कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों से संबंधों को सुदृढ़ करने के प्रयासों में भी तेजी लानी होगी, ताकि जरूरत के समय उनका साथ मिल सके।

सेकुलर और सोशलिस्ट को लेकर सियासी रार

उमेश चतुर्वेदी

इतिहास ने जब किसी कालखंड को काला अध्याय के रूप में स्वीकार कर लिया हो, तब उस कालखंड में लिए गए निर्णयों को वैधानिक कैसे माना जा सकता है। आपातकाल स्वाधीन भारत की तवारीख का काला दौर है। उसी दौर में संवैधानिक संशोधन के जरिए संविधान की प्रस्तावना में 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द जोड़े गए। ऐसे में इन शब्दों को हटाने की मांग पर विमर्श होना चाहिए, लेकिन हो रहा है विवाद। इसकी वजह यह है कि यह मांग खुलेतौर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की है। संघ की ऐसी आवाजें गैर बीजेपी दलों को अक्सर चुभती रही हैं। कांग्रेस ने इस बहाने संघ पर अपना पुराना आरोप दोहराना शुरू कर दिया, कि संघ और बीजेपी संविधान को बदलने की कोशिश में है। दिलचस्प यह है कि आपातकाल में कांग्रेसी अत्याचारों के शिकार हुए समाजवादी धड़े के दल भी संघ विरोध में कांग्रेस के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। सबसे पहले हमें जानना चाहिए कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इस बारे में क्या कहा है। आपातकाल की पचासवीं बरसी पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द जोड़े गए। ये शब्द पहले नहीं थे। बाद में इन्हें निकालने की कोशिश नहीं हुई। ये शब्द संविधान में रहना चाहिए। इस पर विचार होना चाहिए।' जब से भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय सत्ता में आई है, तभी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी एक रट लगाए हुए हैं कि बीजेपी और संघ संविधान बदलना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान तो उनकी अगुआई में समूचे विपक्ष ने इसे बार-बार दोहराया। नई लोकसभा के गठन के दौरान विपक्षी सांसदों ने शपथ लेते वक्त अपने हाथ में संविधान की प्रति थामे रखी। अंतर बस यह रहा कि कांग्रेसी सांसदों के हाथ में लाल रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही तो दूसरे दलों के सांसदों के हाथों में नीले रंग के कवर वाली संविधान की प्रति रही। शपथ लेते वक्त भी विपक्षी सांसदों ने देश को संदेश देने की कोशिश की कि बीजेपी संविधान बदलना चाहती है और वे इसे बदलने नहीं देंगे। दत्तात्रेय होसबाले के बयान के बाद एक बार भी कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल ऐसी ही बयानबाजी में मसरूफ हो गए हैं। संविधान की प्रस्तावना में ये दोनों शब्द 42वें संशोधन के जरिए जोड़े गए थे। इसी के साथ लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल पांच की बजाय छह साल कर दिया गया था। 1977 के आम चुनावों के बाद सत्ता में आई जनता पार्टी की सरकार ने दिसंबर 1978 में संविधान के 44वें संशोधन के जरिए आपातकाल के दौरान किए गए संवैधानिक बदलावों को बदल दिया। जिसमें लोकसभा और विधानसभाओं का कार्यकाल को फिर से पांच साल करना शामिल था। लेकिन संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्दों को हटाने का प्रयास नहीं हुआ। संघ की मांग का आधार मूल संविधान की प्रस्तावना है। जिसमें ये दोनों शब्द शामिल नहीं किए गए थे। ऐसा नहीं कि ऐसा करने की मांग नहीं हुई थी। संविधान सभा के सदस्य केटी शाह ने 15 नवंबर 1948 को संविधान के मसौदे में संशोधन प्रस्ताव रखते हुए भारत को 'धर्मनिरपेक्ष, संघीय, समाजवादी राज्यों का संघ' बनाने मांग की। लेकिन अंबेडकर ने इसे खारिज कर दिया। तब अंबेडकर ने कहा था, राज्य की नीति क्या होनी चाहिए, समाज को उसके सामाजिक और आर्थिक पक्ष में कैसे संगठित किया जाना चाहिए, ये ऐसे मामले है जिनका निर्णय लोगों को समय और परिस्थिति के अनुसार स्वयं करना चाहिए। अंबेडकर का मानना था कि अगर संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद को जोड़ दिया जाता है तो यह भावी पीढ़ियों को उनका रास्ता चुनने की स्वतंत्रता को सीमित करेगा। उन्होंने कहा, इसे संविधान में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि यह लोकतंत्र को पूरी तरह से नष्ट कर देगा। नेहरू की भी सोच थी कि भारतीय संविधान का चरित्र ही धर्मनिरपेक्ष है, इसलिए उसकी प्रस्तावना में इसे अलग से जोड़ने की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस हो या फिर दूसरे विपक्षी दल, उन्हें आज के दौर में जब भी बीजेपी पर हमला या फिर संघ को कठघरे में खड़ा करना होता है, वे अंबेडकर के संविधान को याद करने लगते हैं। अंबेडकर के मूल्यों की रक्षा की बात करने लगते हैं। ऐसे में उनके सामने यह सवाल जरूर उठता है कि क्या आपातकाल थोपा जाना अंबेडकर के विचारों का सम्मान था और अगर वह नहीं था तो फिर सेकुलर और समाजवादी शब्दों का प्रस्तावना में शामिल होना सही कैसे है? एक और सवाल यह है कि जब आपातकाल ही नाजायज और अवैधानिक था तो फिर उस दौरान उठाए गए किसी कदम को जायज और संवैधानिक कैसे स्वीकार किया जा सकता है? सवाल यह भी है कि आपातकाल के दौरान इंदिरा ही कार्यपालिका हो गई थीं, जिनके सामने न्यायपालिका और विधायिका एक तरह से अधिकारहीन हो चुकी थीं, तो उनके द्वारा लिए गए निर्णय सही कैसे हो सकते हैं? संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए इन शब्दों की एक सीमा यह भी है कि इनकी कोई व्याख्या नहीं है। इसलिए जिसकी जैसी सोच होती है, इनकी व्याख्या कर डालता है। केशवानंद भारती केस में सर्वोच्च न्यायालय कह सकता है कि संविधान की बुनियादी आत्मा को नहीं बदला जा सकता। इस नजरिए से भी देखें तो प्रस्तावना में जोड़े गए ये दोनों ही शब्द सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के ठीक उलट हैं। इन दोनों शब्दों के जोड़े जाने के बाद ही संविधान का अलग ही रूप और चरित्र दिखने लगा है। जिसके आधार पर ज्यादातर कार्यपालिका और विधायिका फैसले लेने लगी है। कुछ जानकार तो मानते हैं कि कई सामाजिक समस्याओं की वजह ये दोनों शब्द ही हैं। जिनके चलते संवैधानिक संस्थाएं भारत के बुनियादी चरित्र के उलट कदम उठाती रहती हैं या फैसले लेती रहती हैं। अल्पसंख्यकवाद को बढ़ावा देने में इन दोनों शब्दों का योगदान सबसे ज्यादा है। इन्हीं शब्दों के चलते तुष्टिकरण की राजनीति को भी बढ़ावा मिला है। इन शब्दों से मिले कवच की वजह से विखंडनकारी तत्व हावी हुए हैं, जो लगातार भारतीय समाज के बिखराव को बढ़ावा दे रहे हैं। प्रस्तावना में आए बदलावों ने शासन के चरित्र को ही नहीं, प्रशासन की सोच को भी बदला है। लेकिन कभी इस नजरिए से इन शब्दों की सीमा को मापने और उनके असर को पहचानने की कोशिश नहीं हुई। कुछ महीने बाद बिहार विधानसभा के चुनाव हैं। कांग्रेस संघ की इस अपील को चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश जरूर करेगी। बिहार के प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल ने इस मुद्दे पर कांग्रेस का साथ जरूर दिया है, लेकिन कांग्रेस की तरह आक्रामक मुद्रा में नहीं है। इसकी वजह यह है कि बीजेपी और संघ आपातकाल के लिए लगातार कांग्रेस से माफी की मांग भी कर रहे हैं। आरजेडी प्रमुख लालू यादव भी आपातकाल के पीड़ित हैं और उन दिनों वे बीजेपी के पूर्ववर्ती संगठन जनसंघ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ थे। आपातकाल के बाद हुए चुनावों में ही उन्होंने छपरा से लोकसभा का चुनाव जीता था। ऐसे में उनके लिए आपातकाल के मुद्दे पर देर तक कांग्रेस का साथ देना आसान नहीं होगा। लिहाजा उनकी कोशिश होगी कि इस मुद्दे को कांग्रेस उठाए और पीछे से उसका साथ वे देते रहें। इस रणनीति के जरिए उनकी कोशिश है कि बीजेपी की अगुआई वाले गठबंधन से सत्ता छीन लें। लेकिन संघ इस मांग से उस तरह पीछे हटता नहीं दिख रहा, जिस तरह 2015 के चुनावों के दौरान आरक्षण पर आए मोहन भागवत के बयान से उपजे विवाद के चलते पीछे हटता दिखा। कांग्रेस ने अब तक आपातकाल को लेकर अपनी गलती नहीं मानी है। संघ की मांग के चलते यह मुद्दा उछल रहा है। जैसे-जैसे इस मुद्दे की तासीर बढ़ेगी, वैसे-वैसे कांग्रेस के लिए अपना बचाव कर पाना आसान नहीं होगा। क्योंकि वह कैसे साबित कर पाएगी कि आपातकाल सही था? अगर वह आपातकाल को सही नहीं ठहरा पाएगी तो वह किस तरह साबित करेगी कि प्रस्तावना में किया गया बदलाव सही था।

उद्धव-राज मिलकर चुनाव लड़े तो क्या भाजपा को नुकसान होगा?

शुभांगी खापरे

उद्धव और राज ठाकरे इस बात को बेहतर ढंग से जानते हैं कि महाराष्ट्र में बीएमसी का चुनाव उनकी पार्टियों के लिए करो या मरो का चुनाव है और अगर उन्हें अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करनी है तो साथ आना ही होगा। मुंबई में मराठी वोट बैंक 30 से 35 प्रतिशत तक है। पहले बीजेपी मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में मराठी वोट हासिल करने के लिए शिवसेना पर निर्भर रहती थी। लेकिन अगर शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस का गठबंधन हो जाता है तो यह न सिर्फ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के लिए चुनौती बन सकता है बल्कि बीजेपी को भी इसका राजनीतिक खामियाजा हो सकता है।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने मुंबई में एक मंच पर आकर इस बात की बहस छेड़ दी है कि क्या मराठी अस्मिता का दांव फिर से काम करेगा? उद्धव और राज के साथ आने की यह घटना 20 साल बाद हुई है। इस रैली में उद्धव और राज ठाकरे ने अपने इरादे साफ किए और कहा कि जो बालासाहेब ठाकरे नहीं कर पाए वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कर दिखाया। यानी बीजेपी ने उन दोनों भाइयों को एक कर दिया। बताना होगा कि पिछले दिनों महाराष्ट्र में हिंदी को लेकर हुए विवाद के बाद उद्धव और राज ठाकरे ने एक मंच पर आने का ऐलान किया था। विरोध इतना ज्यादा बढ़ गया था कि महाराष्ट्र की महायुति सरकार को अपना फैसला वापस लेना पड़ा था। उद्धव और राज के साथ आने के राजनीतिक घटनाक्रम पर बीजेपी की पैनी नजर है। यह सवाल उठ रहा है कि शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस अगर महाराष्ट्र की राजनीति में मिलकर चुनाव लड़ते हैं तो इसका इस राज्य की सियासत पर कितना असर होगा?

इस रैली से पहले सोशल मीडिया पर एक क्लिप बहुत वायरल हुई जिसमें एक शेर को जंगली कुत्तों को खदेड़ता हुआ दिखाई दिया। इसके जरिए स्पष्ट रूप से संदेश दिया गया था कि ठाकरे वापस आ गए हैं। इस रैली में एक बड़ी बात यह देखने को मिली कि उद्धव और राज ठाकरे ने रैली में अपनी-अपनी पार्टी के नाम, झंडे और चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल नहीं किया। माना जा रहा है कि दोनों ने यह कदम सोच-समझ कर उठाया और वह अपने कार्यकर्ताओं के बीच यह संदेश देना चाहते हैं कि अब उन्होंने सभी मतभेदों को भुला दिया है और उनका मकसद मराठी मानुष को एकजुट करना है। याद दिलाना होगा कि रैली से ठीक 1 दिन पहले फडणवीस ने कहा था कि मराठी गौरव की बात करना गलत नहीं है लेकिन यह मराठी नहीं बोलने वालों को डराने या उन पर हमला करने का लाइसेंस नहीं देता। उद्धव और राज ठाकरे ऐसे वक्त में एक मंच पर आए हैं, जब जल्द ही बीएमसी और स्थानीय निकाय के चुनाव होने हैं। क्या ये भाई महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय का चुनाव मिलकर लड़ेंगे, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। शिवसेना (यूबीटी) के एक नेता कहते हैं कि उद्धव ठाकरे गठबंधन चाहते हैं लेकिन जल्दबाजी में उठाया गया कोई भी कदम नुकसान पहुंचा सकता है। एमएनएस की ओर से भी ऐसी ही कुछ आवाज सुनाई दी है। पार्टी के एक नेता ने द इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि राजनीति में सब्र जरूरी है और हम मराठी मानुष की इच्छा के मुताबिक काम करेंगे। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे की लड़ाई तब शुरू हुई थी, जब बाला साहेब ठाकरे ने उद्धव को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी चुना था। बाला साहेब ने 2003 में उद्धव को शिवसेना का कार्यकारी प्रमुख नियुक्त किया था लेकिन इससे राज ठाकरे नाराज हो गए थे और 2006 में उन्होंने अपनी पार्टी एमएनएस का गठन किया था। 2012 में बाल ठाकरे के निधन के बाद उद्धव ने पार्टी की कमान संभाली। कुछ साल पहले शिवसेना में बड़ी टूट हुई। इस दौरान एमएनएस भी मराठी अस्मिता के मुद्दे पर लड़ाई लड़ती रही। महाराष्ट्र के ताजा राजनीतिक हालात को देखें तो उद्धव और राज ठाकरे दोनों ही मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं। 2024 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जबरदस्त प्रदर्शन किया और 148 सीटों पर लड़कर 132 सीटें जीती जबकि शिवसेना (यूबीटी) का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह सिर्फ 20 सीटें ही जीत पाई। एमएनएस को सिर्फ एक ही सीट मिली। उद्धव और राज ठाकरे इस बात को बेहतर ढंग से जानते हैं कि महाराष्ट्र में बीएमसी का चुनाव उनकी पार्टियों के लिए करो या मरो का चुनाव है और अगर उन्हें अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करनी है तो साथ आना ही होगा। मुंबई में मराठी वोट बैंक 30 से 35 प्रतिशत तक है। पहले बीजेपी मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में मराठी वोट हासिल करने के लिए शिवसेना पर निर्भर रहती थी। लेकिन अगर शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस का गठबंधन हो जाता है तो यह न सिर्फ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के लिए चुनौती बन सकता है बल्कि बीजेपी को भी इसका राजनीतिक खामियाजा हो सकता है। हालांकि भाजपा के नेता मानते हैं कि मराठी बनाम गैर मराठी मतदाताओं के एकजुट होने से उनका फायदा होगा क्योंकि गुजराती और उत्तर भारतीयों का उन्हें समर्थन मिलता रहा है और यह वोट बैंक मुंबई में 30 से 35 प्रतिशत तक है।

कर्नाटक में कांग्रेस, राजस्थान, मप्र और छत्तीसगढ़ वाली गलती दोहरा रही है

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको याद दिला दें कि राजस्थान में अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट का विवाद कांग्रेस के लिए दीर्घकालिक सिरदर्द बना रहा था। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच सत्ता-साझेदारी को लेकर विवाद लगातार सामने आता रहा था। कर्नाटक में कांग्रेस ने 2023 के विधानसभा चुनावों में शानदार जीत दर्ज की थी। यह जीत केवल भाजपा को सत्ता से हटाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके साथ ही कांग्रेस ने यह संदेश भी दिया था कि यदि पार्टी एकजुट और ठोस नेतृत्व के साथ मैदान में उतरे तो वह भाजपा को घेर सकती है। लेकिन अब, कर्नाटक में कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान और लगातार सार्वजनिक रूप से सामने आने वाले मतभेदों ने सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या कांग्रेस यहां पर वही गलती दोहरा रही है जो उसने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में की थी? हम आपको याद दिला दें कि राजस्थान में अशोक गहलोत बनाम सचिन पायलट का विवाद कांग्रेस के लिए दीर्घकालिक सिरदर्द बना रहा था। इसी तरह छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल और टीएस सिंहदेव के बीच सत्ता-साझेदारी को लेकर विवाद लगातार सामने आता रहा था। ऐसा ही वाकया मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया और कमलनाथ के बीच देखने को मिला था। ज्योतिरादित्य भाजपा में चले गये थे जिससे कमलनाथ की सरकार बीच में ही गिर गयी थी। तीनों ही राज्यों में मतभेद पार्टी मंच के बजाय मीडिया में उछलते रहे, जिससे भाजपा को सत्ता में आने का मौका मिल गया। इसी तरह कर्नाटक में भी देखने को मिल रहा है कि आलाकमान द्वारा समय रहते निर्णायक कदम नहीं उठाने के कारण टकराव बढ़ते जा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि कर्नाटक में कांग्रेस की जोरदार जीत के बाद से ही यह स्पष्ट था कि सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के दावेदार थे। समझौते के तहत सिद्धारमैया को 5 साल के लिए मुख्यमंत्री बनाया गया, लेकिन शिवकुमार खेमा इसे अंदर ही अंदर चुनौती दे रहा है। कर्नाटक में मंत्रिमंडल विस्तार की बात हो चाहे प्रशासनिक निर्णयों की बात हो या फिर रणनीतिक घोषणाओं की बात हो, सभी मामलों में दोनों नेताओं के बीच मतभेद लगातार उजागर होते रहते हैं। इसके अलावा, कांग्रेस के विधायक और मंत्री भी खुलेआम एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। डीके शिवकुमार के समर्थक अक्सर उन्हें भावी मुख्यमंत्री कहकर प्रचारित करते हैं जो सिद्धारमैया समर्थकों को असहज करता है और इसके चलते दोनों ओर से बयानबाजी शुरू हो जाती है। हम आपको बता दें कि देश में सिर्फ तीन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है और देखने में आ रहा है कि तीनों जगह पार्टी में कलह है। कर्नाटक के साथ ही हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में भी कांग्रेस नेता आपस में भिड़े हुए हैं लेकिन कर्नाटक की कलह कुछ ज्यादा ही उजागर हो रही है। यही नहीं, कर्नाटक के विवाद को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा हाईकमान पर टालना दर्शाता है कि उनके हाथ में कुछ नहीं है और सब कुछ ऊपर से ही मैनेज हो रहा है, तभी इस प्रकार का टकराव बना हुआ है। देखा जाये तो कांग्रेस इस समय देश में मुख्य विपक्षी पार्टी है इसलिए सवाल उठता है कि जब वह अपना घर ही नहीं संभाल पा रही तो देश में मजबूत विपक्ष की भूमिका कैसे निभा पायेगी? कांग्रेस विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों को भी एकजुट रख पाने में विफल रही है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि केरल और हरियाणा में पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का सरकार में आना तय माना जा रहा था लेकिन अपने ही नेताओं के आपसी झगड़ों की बदौलत पार्टी सत्ता से बहुत दूर रह गयी थी। इससे साबित होता है कि कांग्रेस को हमेशा अपनों ने ही लूटा है लेकिन फिर भी पार्टी गलतियों से सीख लेने को तैयार नहीं है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5651

					9			6
					3	8	5	1
	6	2		1	5			
		7					6	
	2	1	9	7	6	3	8	
	3					1		
			4	5		9	7	
2	5	8	6					
4			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5650

1	6	7	5	2	4	9	3	8
2	3	9	1	7	8	6	5	4
8	5	4	3	9	6	2	7	1
6	9	8	7	4	2	3	1	5
7	2	3	6	1	5	4	8	9
5	4	1	8	3	9	7	6	2
3	1	2	4	8	7	5	9	6
9	7	6	2	5	1	8	4	3
4	8	5	9	6	3	1	2	7

वर्ग पहेली 5651

1		2	3	4		■	5
	■	6			■	7	
8	9	■	10		■	11	
12		■	■	13	14		
■	15	16	■	■	17		■
■	18			19	■	■	20
21			■	22	23		
24		■	25			■	

संकेत: बायें से दायें

1. 1927 को मध्यप्रदेश की भूतपूर्व राज्यपाल तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा में भारत की [illegible] ने जन्म लिया था (6)
6. [illegible] (3)
7. कमर, शरीर का मध्य भाग (2)
8. सूत, धागा (2)
10. हॉलैंड के निवासी क्या कहलाते है (2)
11. एहसान, असर, [illegible] (उर्दू)(2)
12. प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि (2)
13. सिलसिलेवार, क्रमिक, [illegible] (4)
15. वस्तु आदि की नीचे की सतह, [illegible] (2)
17. [illegible] (2)
18. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म, [illegible] (1979) थी (4)
21. यह अभिनेता [illegible] (निधन 2 जून 1975) [illegible] (3)
22. [illegible] (4)
24. पत, पानी का [illegible] (2)
25. प्रणाम, तालीम, [illegible] (3)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] पंजाब की एक प्राचीन नदी (4)
2. शर्म, हया, लाज (2)
3. एक विस्फोटक रासायनिक गोला (3)
4. [illegible] (4)
5. [illegible] (4)
7. अस्पष्ट उच्चारण, [illegible] (4)
9. 25 वर्ष पूर्ण होने पर (6)
14. [illegible] (2)
16. जीवन, जिंदगी (उर्दू)(3)
19. प्रवेश, [illegible] (3)
20. पृथ्वी की ऊपरी सतह (2)
21. सुब्रमण्यम स्वामी वाली राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम (2)
23. [illegible] एक बार सांस लेने का समय, [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5650 का हल

इ	श	क	■	ज़ा	■	न	र
का	म	द	■	न	ह	ख़	त
त	■	ली	ला	क़ा	ह	■	ना
क	ज	■	■	न	क	सी	र
र	म	झ	ला	■	र	म	■
जा	त	■	म	उ	ना	■	बी
■	■	स	म	क	■	भु	ह
स	म	ता	ल	■	■	ल	ज

गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर मंदसौर में आर्ट ऑफ़ लिविंग परिवार द्वारा साधना, सेवा और सत्संग का आयोजन

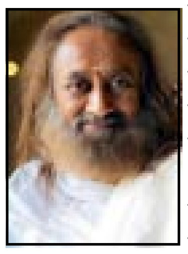

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गुरु के चरणों में समर्पण, कृतज्ञता और आध्यात्मिक ऊर्जा से जुड़ने का पावन पर्व गुरु पूर्णिमा इस वर्ष भी आर्ट ऑफ लिविंग परिवार मंदसौर द्वारा अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी की प्रेरणा से दिनभर विविध आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

10 जुलाई, गुरुवार को प्रातः 6 बजे से महासुदर्शन क्रिया एवं गुरु पूजा राजेंद्र रिसॉर्ट में होगी।उसके बाद पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सेवा संकल्प के तहत महाकाल गार्डन, मेघदूत नगर में पौधारोपण किया जाएगा। सायंकाल राजेन्द्र रिसॉर्ट में 7.30 बजे से महासत्संग का आयोजन रखा गया है जिसमें दीपेश भैया एवं किशोर भैया दिव्य भजनों की प्रस्तुति देंगे। तत्पश्चात भोजन प्रसादी होगी। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार के जिला मीडिया कोऑर्डिनेटर नरेन्द्र धनोतिया ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर दिव्य आयोजन को लेकर आर्ट ऑफ लिविंग परिवार मंदसौर के कार्यकर्ताओं में बहुत उत्साह का वातावरण है और इस कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आर्ट ऑफ लिविंग के खुमानसिंह चुंडावत, हरीश रायवाल, योगेंद्र शर्मा, कमलेश कोठारी, सुरेन्द्र संघवी, दिलीप परमार, आशीष राठौर, श्याम भावसार, डॉ. रमेश कनेसरिया, शैलेन्द्र माथुर, अंकित सोनी, धीरेन्द्र कदम, यतींद्र जोशी आदि ने इस दिव्य आयोजन में सभी साधकों से आग्रह है कि वे साधना, सेवा और सत्संग के इस आध्यात्मिक पर्व का लाभ लें एवं गुरुचरणों में श्रद्धा अर्पित करें।

गुरुपूर्णिमा महोत्सव पर आचार्य श्री रामानुज जी का मंदसौर आगमन

गुरूपादुका पूजन, गुरु दीक्षा एवं मंगल आशीर्वचन का होगा रुद्राक्ष माहेश्वरी भवन में आयोजन

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर में श्री तलाई वाले बालाजी भगवान के परम् भक्त आचार्य श्री रामानुज जी महाराज का गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर्व पर राजकोट से आगमन हो रहा है। आचार्य श्री 10 जुलाई गुरुवार को श्री हरिकथा आयोजन समिति, मानवता मिशन ट्रस्ट एवं करुणा फाउंडेशन मंदसौर द्वारा नयापुरा रोड स्थित रुद्राक्ष माहेश्वरी भवन में आयोजित गुरुपूर्णिमा महोत्सव में सानिध्य प्रदान करेंगे। जहाँ पर संध्या 4 बजे भक्तगण ओर दीक्षार्थी गुरूपादुका पूजन करेंगे तथा आचार्य श्री नवीन भक्तो को दीक्षा भी प्रदान करेंगे। पश्चात संध्या 6.30 बजे आचार्य श्री मंगल आशीर्वचन प्रदान करेंगे।

इस आशय की जानकारी देते हुए श्री हरिकथा आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री नरेंद्र अग्रवाल, सचिव श्री सुरेश सोमानी, कोषाध्यक्ष श्री सत्यनारायण छापरवाल, संयोजक श्री मोहनलाल शर्मा जांगिड़ , श्री ब्रजेश जोशी, सहसंयोजक श्री हरीश गर्ग केडिया एवं श्री गौरव रत्नावत एडवोकेट ने बताया कि आचार्य श्री रामानुज जी का मंदसौर शहर से गहरा लगाव है । आप गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर विशेष रूप से मंदसौर के भक्तों पर कृपा करते हुए प्रतिवर्ष मंदसौर आते हैं। वैसे तो आचार्य श्री गुजरात राजकोट के रहने वाले हैं लेकिन मंदसौर शहर वासियों ने जब भी आचार्य श्री को याद किया वह तुरंत अपने भक्तों ओर शहर वासियों के बीच उपस्थित होते हैं। इसलिए मंदसौर शहरवासी भी आचार्य श्री को भगवान पशुपतिनाथ की नगरी का ही सदैव मानते है। अभी हाल ही में जनवरी माह में श्री हरि कथा आयोजन समिति के तत्वाधान में श्री राम कथा का विशाल आयोजन आपके सानिध्य में संपन्न हुआ। आचार्य श्री गुरुपूर्णिमा महोत्सव में सानिध्य प्रदान करने हेतु 9 जुलाई को संध्या 5 बजे मंदसौर में जनता कालोनी में अपना घर के संस्थापक अध्यक्ष श्री रावविजयसिंह के निवास स्थान पर पहुंचेंगे। तथा 10 जुलाई को गुरुपूर्णिमा महोत्सव में सम्मिलित होंगे। श्री हरिकथा आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र अग्रवाल, सचिव श्री सुरेश सोमानी, कोषाध्यक्ष श्री सत्यनारायण छापरवाल, व्यवस्थापक श्री सुनील कटलाना , श्री सुरेश पाठक , मानवता मिशन ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गंभीरमल राठी, सचिव श्री कृष्णपाल सिंह , कोषाध्यक्ष श्री रमाशंकर शर्मा, सह सचिव श्री अशोक झलोया , करुणा फाउंडेशन की श्रीमती कुसुम मतराना , श्रीमती तनुजा कुशवाह एवं किरण चौहान सहित समस्त पदाधिकारीयो ने गुरु भक्तो से अनुरोध किया कि गुरुपूर्णिमा महोत्सव पर रुद्राक्ष माहेश्वरी भवन मे आयोजित कार्यक्रम में परिवार सहित उपस्थित होकर गुरु आचार्य श्री रामानुज जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त करे।

श्री विश्वपति महादेव शिवालय पर श्रावण में प्रतिदिन होगा शिवभक्ति का आयोजन

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय गांधीचौराहा स्थित श्री विश्वपति महादेव शिवालय पर श्रावण पर्व पर प्रतिदिन शिवभक्ति का आयोजन होगा। शयन आरती पूर्व रात्रि 8.30 बजे से शिवाभिषेक, श्रृंगार, किर्तन, प्रसाद वितरण प्रतिदिन भक्तों के सहयोग से सम्पन्न किया जायेगा।

आयोजनों को भव्यता प्रदान करने हेतु प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्यकारिणी का गठन किया गया है। आयोजन की रूपरेखा संयोजकद्वय राजेश देवड़ा व ललित सेन द्वारा प्रस्तुत की गई। नवीन कार्यकारिणी में संरक्षक स्वयं विश्वपति महादेव, अध्यक्ष योगेश याग्निक, उपाध्यक्ष गोपालराव शिन्दे, सचिव सुरेन्द्र चौहान, राजेश लाभ श्री , कोषाध्यक्ष चैतन्य पाण्डेय, हितेश शर्मा, शिवालय श्रृंगार व्यवस्थापक विनोद ब्रिजवानी, देवेन्द्र खत्री, शिव महाभोग पर्व व्यवस्थापक विपिन पारीख, कृष्णगोपाल राठौर, सुरेश पाठक, कार्यकारिणी में सभी भक्तों को सदस्य मनोनीत किया गया है। मार्गदर्शक मण्डल में प्रकाश मोटवानी, राजेश तिवारी, रमेश ग्वाला, दिलीप दुबे, दीपेन्द्र चौबे, कमल नागदा, होतचंद शिवनानी लिया गया। नवीन कार्यकारिणी ने सभी भक्तगणों से श्रावण मास पर्यन्त आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में पधारकर शिवमय होकर आनंदित होने का आग्रह किया है। यह जानकारी समिति की ओर से प्रवक्ता जितेन्द्र पाण्डे एवं ओम सेठिया द्वारा दी गई।

समस्त देवों के देव भगवान शंकर महादेव है-चैतन्यजी शास्त्री

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया में 3 जुलाई से प्रारंभ गुरुपूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक व्यास पीठासीन परम पूज्य स्वामी काष्णीरिषी चैतन्यजी शास्त्री, रमणरेती श्री धाम वृन्दावन के मुखारविन्द से श्री शिवमहापुराण कथा के षष्ठ दिवस कथा प्रसंग में स्वामी जी ने सृष्टिरचना के संबंध में कहा कि भगवान शंकर यागियों के भी महायोगी है। और समस्त देवों के महादेव हैं ब्रह्मा को सृष्टि रचियता, विष्णु को पालनकर्ता और भगवान शंकर को जहां एक तरफ संहारकर्ता कहा गया है वहीं इस सृष्टिको बचाने में भगवान शंकर का ही हाथ रहा है। समुद्रमंथन में अमृत से पहले सबसे पहले जो हलाहल विष निकला था जिसे समस्त सृष्टि स्वाहा हो सकती थी। जिससे समस्त देवता जब भयभीत हो गये तब उस विष का शमन नहीं होता तो सम्पूर्ण सृष्टिजीवन चराचर उस विष से सबकुछ स्वाहा हो सकता था परन्तु भगवान शिव ने उसे पान कर कण्ठ में रोक लिया और निकल कण्ठ कहलाये।

भगवान शंकर को संहारकर्ता जो कहा गया वै वास्तव में भगवान शंकर किसी को मारते, नहीं भगवान शंकर तो ओढर दानी है, भोलेनाथ है, सही अर्थ में जो भगवान शंकर का ध्यान भजन करते है भगवान शंकर उनके मन में जन्म जन्मांतर काम क्रोध राग द्वेष आदि विकारों का जो अंत:करण में भरे होकर दु:खी करते है उनका संहार कर देते है। पूज्य स्वामी धीरेशानंदजी महाराज ने अज्ञान से जो हमने अपने को शरीर मानकर इसको सजाने संवारने में भौतिकता में रचे पचे रहकर दु:खी होते रहते है परन्तु हम शरीर नहीं इस शरीर के रोम रोम को प्रकाशित करने वाली आत्मा है। हमें यह नहं भूलना चाहिये कि पृथ्वी, अग्नि, जलवायु, आकाश इन पांच तत्वों से निर्मित शरीर हम नहीं है।

मंचासीन संतों का सानिध्य प्राप्त हुआ– परमपूज्य स्वामी धीरेशानंदजी महाराज, परम पूज्य युवाचार्य महंत स्वामी मणिमहेश चैतन्यजी महाराज, प.पू. मोहनानंदजी महाराज, परम प.पू. स्वामी कृष्णानंदजी महाराज, प.पू. स्वामी उज्ञैनमुनिजी महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ।

उपस्थित रहे– कथा यजमान रामप्रताप वकील धर्मपत्नी मथुराबाई टांक कुंचड़ौद, श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया ट्रस्ट अध्यक्ष प्रहलाद काबरा, सचिव रूपनारायण जोशी, ट्रस्टी बंशीलाल टांक, भेरूलाल सुथार, उदेलाल पडियार भालोट, शिक्षाविद रमेशचन्द्र चन्द्रे, सामाजिक कार्यकर्ता अनील संगवानी, सांवलिया गौशाला सचिव कारूलाल करा, सदस्य छगनलाल बागडिया, बालचंद मारू आदि।

आण आश्रम पर मनेगी भव्यता से गुरु पूर्णिमा

समाधि, गादी व धुणी पूजन के साथ भजन संध्या व भंडारा

मनासा, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। हर साल आषाढ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को गुरु पूर्णिमा का त्योहार मनाया जाता है। इस बार गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई, गुरुवार को मनाई जाएगी। गुरु पूर्णिमा भारतीय संस्कृति में एक अत्यंत पावन पर्व माना गया है।

कुकडेश्वर क्षेत्र में 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के दिवस बामनिया माता जी मे गुरु पूर्णिमा भव्यता से मनाई जाएगी। वंही दिनांक 8 जुलाई से 10 जुलाई तक तीन दिवसीय संगीतमय नानीबाई का मायरा की कथा का प्रसारण होगा। वंही कुकड़ेश्वर नगर से उतर दिशा की ओर स्थित श्री श्री 1008 देवनाथ जी महाराज (जीवित समाधी) यानी आण आश्रम पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गुरु पूर्णिमा पर्व को भव्यता पूर्वक मनाया जा रहा है। दिनांक 10 जुलाई को सुबह 7 बजे गुरुदेव की समाधी पर अभिषेक, सुबह 10 बजे समाधी पूजन, गादी पूजन व धुणी पूजन होगा। दिन में महिलाओं द्वारा भजन कीर्तन किये जायेंगे। सांय 5 बजे श्री श्री 1008 देवनाथ जी महाराज की महाआरती की जाएगी। सांय 7 बजे बालयोगी संत श्री 108 राजनाथ जी महाराज के चरण पूजन व आरती के साथ ही भव्य भजन संध्या डीजे किंग अरविंद बैरागी व अन्य कलाकारों द्वारा आयोजित होगी। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर आण आश्रम पर सांय 4 बजे से प्रभु इच्छा तक भोजन भंडारा रहेगा। सभी भक्त आण आश्रम पर उपस्थित रहकर, धर्मलाभ ले।

नगर की यातायात व्यवस्था हाशिये पर- ग्राहक पंचायत

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। विगत कुछ महीनों से शहर में यातायात की स्तिथि हाशिये पर जा चुकी है। मुख्य बाजार में दिन में कई बार ट्रैफ़िक जाम लग जाता है, यहाँ से आवागमन करना दिन में परेशानी भरा होता है। दिन में शहर के अंदर भारी वाहन घूमते है जिससे दुर्घटना व ट्रैफ़िक जाम की स्तिथि बनी रहती है। मुख्य मार्गो पर ठेला गाडी का कब्जा हो चूका है। ठेला गाडी वाले सडक के बीचो बिच खड़ी रहती है, जिससे ट्रैफ़िक जाम होता है। ट्रैफ़िक जाम के समय यातायात विभाग का कोई कर्मचारी क्षेत्र में दिखाई नहीं देता। जिससे पब्लिक और संबंधित क्षेत्र के व्यापारी भी परेशान होते है।

जिन क्षेत्र में अकसर जाम की स्तिथि बनती है वो सदर बाजार, कालिदास मार्ग, बस स्टेण्ड से गाँधी चौराहा जाने वाला मार्ग, गाँधी चौराहा और यहां से इश्रि चौराहा जाने का मार्ग, इश्रि चौराहे से गोल चौराहे, मुनीम जी की तरफ जाने वाला रास्ता व गोल चौराहा से नयापुरा जाने वाले रास्ते पर गाड़िया व ठेले बिच सडक पर खड़े रहते है, वही नाहटा चौराहा और पेट्रोल पंप चौराहे पर बसें सड़कों के बीचो बिच खडी होती है जिससे आवागमन का मार्ग छोटा हो जाता है जिससे वहां से निकलने में काफ़ी कठिनाई होती है। इस प्रकार की समस्या को लेकर आज ग्राहक पंचायत ने जनसुनवाई में जिला कलेक्टर अदिति गर्ग को ज्ञापन सौपा और उनसे समस्या के समाधान को लेकर जल्द निर्णय लेने का कहाँ। ज्ञापन देते समय ग्राहक पंचायत के प्रांत सह सचिव नवनीत शर्मा, जिला अध्यक्ष विजय कोठारी, उमराव सिंह जैन, सुनील ठाकुर एवं भूपेंद्र बैरागी उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा पर श्री विद्या साधना महोत्सव के साथ होगा श्री सिंदूर शक्ति महायज्ञ

गुरुदेव डॉ. देवेंद्र शास्त्री के सानिध्य में श्री विद्या साधना केंद्र में मनेगा गुरु पूर्णिमा महोत्सव

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री विद्या साधना शोध संस्थान धारियाखेड़ी में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री विद्या साधना महोत्सव का भव्य आयोजन होगा। इस वर्ष श्री विद्या साधना महोत्सव के साथ ही श्री सिंदूर शक्ति महायज्ञ आयोजन भी किया जाएगा।

श्री विद्या साधना शोध संस्थान द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर 10 जुलाई गुरुवार को श्री हरिहर आश्रम के पीठाधीश, परम पूज्य गुरुदेव आचार्य डॉ. देवेंद्र जी शास्त्री के सानिध्य में महोत्सव का दिव्य आयोजन होगा। इस आयोजन के तहत प्रात: 7:00 बजे से आयोजन एवं आराधना का क्रम प्रारंभ होगा। प्रात: 7:00 बजे श्री गुरु पादुका पूजन होगा। प्रात: 9:00 बजे श्री कल्याण वृष्टिस्तवन किया जाएगा। प्रात: 10:00 बजे से श्री यंत्र महा पूजा होगी। प्रात: 7:00 से 10:30 बजे तक श्री सिंदूर शक्ति महायज्ञ किया जाएगा। पहलगाम आतंकवादी हमले में हमारी बहनों के सिंदूर उजाड़ने वाली अराजक शक्तियों के समूल संहार और महान भारतीय सेना को देवीय शक्ति बल की प्राप्ति हो एवं अहमदाबाद विमान हादसे में दिवंगतजनों के मोक्षकामना के अहर्निश संकल्प के साथ श्री सिंदूर शक्ति महायज्ञ का आयोजन होगा। यज्ञ में सभी साधक एवं आगंतुक अपनी आहुति प्रदान कर सकेंगे। प्रात: 10:30 बजे महा आरती की जाएगी। प्रात: 10.45 से महाप्रसादी प्रारंभ होगी। श्री यंत्र महापूजा एवं गुरु पादुका पूजन का क्रम निरन्तर रहेगा। समस्त आयोजन श्री विद्या साधना केंद्र ग्राम धारियाखेड़ी पर होंगे। श्री विद्या शोध संस्थान के पीआरओ श्री शोरित सक्सेना ने अवगत करवाया कि आयोजन में मंदसौर सहित मध्य प्रदेश, राजस्थान , गुजरात एवं महाराष्ट्र के श्री विद्या साधक एवं गुरु भक्त उपस्थित होंगे। आपने समस्त श्रद्धालुजन से महोत्सव में शामिल होकर लोकमंगल की कामना करने एवं प्रसादी लाभ लेने का आग्रह किया है।

जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता का समापन

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला स्पोटर्स कराते एसोसिएशन मंदसौर के उपाध्यक्ष विजय कोठारी एवं सचिव गगन कुरील ने बताया कि मंदसौर के संजय गांधी उद्यान के हाल में जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता में पूरे जिले के विभिन्न विद्यालय के 150 खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। दिनभर चली प्रतियोगिता में विजय रहे खिलाड़ियों को सभी अतिथियों ने मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया पूरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर विवेकानंद सरस्वती विद्यालय, द्वितीय स्थान पर पैरामाउंट एकेडमी सीतामऊ, तृतीय स्थान पर आईपीएस इंग्लिश स्कूल मंदसौर रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष वासुदेव सेवानी,कार्यक्रम की अध्यक्षता, मंदसौर जिला प्रेस क्लब अध्यक्ष पुष्पराजसिंह राणा, विशेष अतिथि डिप्टी चीफ वार्डन सिविल डिफेंस डॉ. हिमांशु यजुर्वेदी, संस्था संरक्षक भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य अनिल कियावत, विशेष अतिथि विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनगरा वरिष्ठपत्रकार सुरेश भाटी, डेस टीवी के संचालक नंदू भाई आडवाणी, महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय के प्राचार्य के. सोलंकी, योग गुरु कमलेश कोठारी, समाजसेवी मितेश तरवेचा, पूज्य सिंधी भाई बंद पंचायत के अध्यक्ष मनोहर नेनवानी, समाजसेवी प्रीतम खेमानी, समाजसेवी गिरीश भक्तानी, उत यूनियन अध्यक्ष दिनेश चंदवानी मंचासिन थे । अतिथियों का स्वागत संस्था उपाध्यक्ष विजय कोठारी, टेक्निकल डायरेक्टर सैयद आफताब आलम, सुनील हीवे ग्वाला, अशोक गहलोत, कमलेश डोसी, दुर्गेश बेलानी, हितेश सालवी,श्रीमती धर्मेंद्र कुमारी बघेरवाल यश हीवे, धवल कुमावत, सोनू मेघवाल, तुलसी बैरागी, कृष्णा गड़िया, संदीप आर्य, तुषार गुर्जर, दीपेश गहलोत, दिव्यांश सोलंकी यशवंत कलमोदिया ने किया। कार्यक्रम का संचालन संस्था उपाध्यक्ष विजय कोठारी ने किया आभार संस्था सचिव गगन कुरील ने माना।

गाय व बैलों में फैल रही लम्पी वायरस बीमारी से बचाव के लिये उठाये जाये व्यापक कदम

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। गौ आरोग्य सेवा समिति मंदसौर के अध्यक्ष ओम बड़ोदिया ने मंदसौर विधायक विपिन जैन, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर एवं पशु विभाग के उपसंचालक मनीष इंगोले को ज्ञापन देकर गाय एवं बैलों में होने वाली लम्पी वायरस बीमारी से बचाव के लिये व्यापक प्रबंध किये जाने की मांग की। गौसेवक ओमप्रकाश बड़ोदिया ने बताया कि मंदसौर शहर में फैल रही गायों एवं बैलों में लम्पी चर्म रोग (गूमडा-फोड़ा) बीमारी गंभीर होने के साथ-साथ बहुत तेजी से फैल रहीं है मंदसौर नगर में वर्तमान में अनेक गायों एवं बैलों में यह बीमारी फैल चुकी है तथा कुछ गाय एवं बैलों की मृत्यु इस बीमारी से हो गई है। यह बीमारी अत्यधिक मात्रा में गायों व अन्य जानवरों में न फैले इसके लिये पहले से ही सुरक्षित इंतजाम किया जाना आवश्यक है। पूर्व में भी उक्त बीमारी फैलने से मूक पशुओं के इलाज हेतु नगरपालिका परिषद मंदसौर द्वारा मुझे कांजी हाउस दिया गया था जिसमें मेरे द्वारा अनेकों मूक पशुओं का इलाज कर उन्हें वहां पर आइसोलेट किया गया था जिससे कि अन्य पशुओं में यह बीमारी नहीं फैले । इस वर्ष यह बीमारी मंदसौर शहर में अपने पैर पसार चुकी है और मूक पशुओं में तीव्र गति से फैल रही है। मेरे द्वारा हरसंभव प्रयास कर इनका इलाज किया जा रहा है लेकिन प्रशासनिक स्तर पर भी व्यापक इंतजाम करना आवश्यक है। इस बीमारी के कारण इस बीमारी की चपेट में आये हुए पशुओं को गौशाला में नहीं रखने दिया जा रहा है और इनका इलाज गली-मोहल्ले और चौराहों पर ही करना पड रहा है। श्री बड़ोदिया ने मांग की कि पशुपालक लम्बी बीमारी से ग्रसित अपने गाय व बैलों का उपचार समय पर करवाये तथा उन्हें खुला न छोड़े जिससे अन्य पशुओं में यह बीमारी न हो। अगर ऐसा करते हुए पशुपालक पाये जाये तो उनके विरूद्ध भी कार्यवाही की जाये। श्री बड़ोदिया ने अनुरोध किया कि इस गंभीर बीमारी से मूक पशुओं के ईलाज की सुविधा हेतु उपयुक्त स्थान उपलब्ध करवाया जाये जिससे मूक प्राणियों का उपचार कर उनके जीवन को बचाया जा सके।

महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 में, महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की है। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर स्तर सत्र 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश अंतर्गत सीएलसी चरण के लिए अद्यतन समय सारणी जारी की गई है।

जारी समय सारणी के अनुसार, सत्र 2025-26 में स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में एवं मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी, 7 से 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 7 से 11 जुलाई तक होगा। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार के दिनांक, स्थान एवं समय की सूचना 14 जुलाई को दी जाएगी। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के साक्षात्कार एवं पोर्टल पर अंकों की प्रविष्टि 16 से 17 जुलाई तक होगी। विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में सीट का आवंटन 21 जुलाई को होगा। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 21 से 25 जुलाई तक किया जा सकेगा। आवंटित महाविद्यालय में शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि तक प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा और प्रवेश शुल्क का भुगतान न होने की दशा में प्रवेश नहीं माना जाएगा।

डीएफओ ने किया बैंबू फार्म एवं औषधीय वाटिका का निरीक्षण

मनासा, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। वन विभाग नीमच के मुखिया वन मण्डल अधिकारी डीएफओ श्री एसके अटोदे ने भाटखेड़ी स्थित मिनी जंगल 'विश्वकर्मा बैंबू फॉर्म' एवं औषधीय वाटिका का निरीक्षण किया।

यहां पर 'राष्ट्रीय बांस मिशन योजना' में रोपित बांस की खेती के साथ किए जा रहे नवाचारों के बारे में प्रोग्रेसिव फार्मर श्री कमलाशंकर विश्वकर्मा से विस्तृत रूप से चर्चा की एवं उनके द्वारा यहां लगाए गए औषधीय महत्व के पौधों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने किसान के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और दुर्लभ प्रजाति के पीले पलाश का एक पौधा भी लगाया। उन्होंने बताया कि यहां जैव विविधता के संरक्षण का अनूठा उदाहरण देखने को मिला, जैविक खेती के कारण यहां पर पक्षियों एवं अन्य जीव जंतुओं की संख्या में वृद्धि हुई है। बटर फ्लाई गार्डन में भी चार से पांच प्रजाति की तितलियां भी देखने को मिली। धीरे धीरे यह एक टूरिस्ट आकर्षण का केन्द्र बन रहा है, लोग यहां घूमने, फोटोशूट कराने एवं पिकनिक मनाने भी आ रहे है। यहां की औषधीय वाटिका में पर गिलोय, कौंचबीज, शतावरी, अश्वगन्धा, सर्पगंधा, नीली व सफेद अपराजिता, हड़जोड़, गटारन, चक्रमर्द, नामी, छोटी व बड़ी दूधी, चित्रक, गुड़हल, पत्थरचट्टा, एलोविरा, मीठा नीम, वराहीकंद, स्वार्ड बीन्स, ट्राइडेक्स, वज्रदंती, लक्ष्मणफल, रामफल, सीताफल आदि को देखा।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	45	1990	2400
उडद	23	4000	5800
सोयाबीन	6442	3500	4301
गैहु	6111	2401	2651
चना	433	5161	5589
मसुर	149	5901	6481
धनिया	590	5000	7450
लहसुन	16000	3000	8550
मैथी	995	3861	7251
मुंगफली	653	3500	5360
अलसी	1280	6500	7201
सरसो	292	6301	6740
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	86	6551	10005
प्याज	3500	352	1481
कलोंजी	25	12700	20201
तुलसी बीज	11	9561	14901
डॉलर	28	5901	7752
तिल्ली	344	6000	8000
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	5	3100	3500
असालीया	46	6100	6600
चियाबीज	77	12000	20201

जनसुवाई में प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करें- चंद्रा

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 98 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए 98 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़, एसडीएम श्री संजीव साहू, सभी डिप्टी कलेक्टर, सी.एम.ओ. नीमच श्री दुर्गा बामनिया सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में दयानन्द मार्ग नीमच के श्यामलाल सोनी, जवाहर नगर नीमच की श्वेता सोनी, थड़ोली के कारूलाल, विक्रम, श्यामलाल, सुवासरा बुजुर्ग के सुरेश, पालरी के नंदलाल, उकार, रायसिंहपुरा के बापुसिह, कंचन नगर नीमच के ओमप्रकाश काछी मोहल्ला मनासा के सरोज कुशवाह, कुकड़ेश्वर की प्रेमबाई, मनासा के हरिशचंद्र राठौर, खेड़ामोड़ी के कमलसिह, रतनगढ़ की ममता ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह जससिंगपुरा के नानूराम, किशनपुरा के राहुल, आलोरी गरवाड़ा के किशनलाल, नीमच सिटी के सुरेन्द्र सोनी, मुकेरा के हेमराज, बघाना के आसिफ ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण कर की गई कार्यवाही से अवगत कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

समाज के विश्वास को बनाए रखे चिकित्सक...

पत्र संपादक के नाम
संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। डॉक्टर को गाड ऑफ ऑनर यानी धरती का भगवान कहा गया हे। जीवन से निराश व्यक्ति अगर आखरी समय में किसी को याद करता हे तो वह हे भगवान। ऐसे में अगर कोई डॉक्टर उसके सामने आ जाता है तो इंसान डॉक्टर पर भी एक भगवान के समान ही विश्वास करता हे। यह सम्मान धरती पर किसी और को नही मिला हे। आज डॉक्टरी पेशा ही ऐसा पेशा हे जिसकी सर्वोच्च सामाजिक प्रतिष्ठा हे। चिकित्सको के इस पुनीत कार्य के दृष्टिगत कहा भी गया हे कि 'चिकित्सात पुण्यतम न किंचित' यानी चिकित्सा से पुण्यप्रद कोई दूसरा कार्य नही हे। एक जुलाई को पूरे देश में डॉक्टर डे मनाया जाता हे। देश के महान चिकित्सक डॉ विमलचंद्र राय के जन्मदिन पर मनाए जाने वाले इस दिवस पर प्रतिवर्ष कई आयोजन डॉक्टरो के सम्मान में कई कार्यक्रम किए जाते हे। डॉ राय की ख्याति केवल उच्च शिक्षित, मेडिकल शिक्षक और चिकित्सक के रूप में नही थी वरन उन्होने स्वतंत्रता आंदोलन में भी बड़ चढ़कर हिस्सा लिया था। वर्तमान में भी डॉ राय की व्यवसायिक संवेदनशीलता, कर्तव्यपरायनता एवम शुचितापूर्ण जीवन को लोग याद करते हे। मगर कुछ वर्षो से चिकित्सको के नैतिक और सामाजिक मूल्यो में गिरावट आने लगी हे। जिस तेजी से इस पेशे में नैतिकता का अवमूल्यन हुआ उससे डॉक्टरी पेशा अपनी प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता खोने लगा हे। आलम अब यह हे की अब डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास का सेतू जर्जर हो गया हे। जिसे फिर से मजबूत करने के लिए कुछ पहल करना जरूरी हे। चिकित्सा के क्षेत्र में व्यवसायिकता के प्रवेश ने इसे आम आदमी के लिए दुभर बनाया हे। देश में कुछ समय से तेजी से चिकित्सा सेवाओं का निजीकरण और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की खस्ताहाल स्थिति ने चिकित्सा पेशे की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा को सर्वाधिक नुकसान पंहुचाया हे। आज लोगो में यह धारणा बन चुकी हे की निजी चिकित्सक अपने नर्सिंग होम का भारी भरकम खर्च जुटाने तथा मोटा मुनाफा कमाने के फेर में मरिजो का गैर जरूरी परीक्षण करवाते हे तथा उन्हे जबरन भर्ती रखते हे। इसके अलावा वे मरीजो को महंगी दवाइयां लिखने में कोई परहेज नही करते। कई निजी नर्सिंग होम के डॉक्टर अनावश्यक होने पर भी मानव अंगो को निकाल देते हे। आयुष्मान कार्ड घोटाला तथा पेसो के भुगतान अभाव में शव को बंधक तक बनाने जेसी अमानवीय घटनाओ की खबरो ने चिकित्सक समाज को शर्मसार और कलंकित किया हे। कई मायनो में यह सब सच भी हे। हालांकि दूसरी और एक मानवीय पहलू यह भी हे की हर व्यवसाय में कुछ अपवाद होते हे जिससे चिकित्सा क्षेत्र भी अछूता नही हे। कुछ डॉक्टरो की अनेतिक गतिविधियों के कारण पूरा चिकित्सा समाज कलंकित हो रहा हे यह दुखदायी व अप्रासंगिक हे।

ऐसे में क्यों न चिकित्सक समुदाय स्वयं पहल करे और अपने पेशे में नैतिकता का नया स्तर बनाकर फिर लोगो का विश्वास अर्पित करे क्योंकि संसार में डॉक्टर ही हे जिसे मनुष्य आशा भरी नजरो से देखता हे और भगवान का स्वरूप मानता हे। इसलिए इस अपेक्षा पर खरा उतरना मानवीय संवेदनाओ के साथ ही चिकित्सक का सामाजिक व राष्ट्रीय धर्म भी हे।

गौरव सोनी, मंदसौर

मध्यप्रदेश ग्रोथ कान्क्लेव 11 को इंदौर में

नेक्स्ट होराइजन : बिल्डिंग सिटीज ऑफ टुमारो थीम पर होगा कान्क्लेव

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में रीयल एस्टेट की गतिविधियों के विस्तार के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 11 जुलाई को इंदौर के ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में 'मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव' का आयोजन किया जा रहा है। 'नेक्स्ट होराइजन: बिल्डिंग सिटीज़ ऑफ टुमारो' थीम पर आधारित यह कॉन्क्लेव राज्य के शहरी विकास और निवेश के लिये नए क्षितिज खोलने का माध्यम बनेगा। 'उद्योग एवं रोजगार वर्ष 2025' के अंतर्गत इस आयोजन का उद्देश्य प्रदेश की नगरीय अधोसंरचना को भविष्योन्मुखी बनाना, सतत विकास को गति देना और व्यापक निवेश आकर्षित करना है।

मध्यप्रदेश में निवेश इसलिये– मध्यप्रदेश देश के केन्द्र में रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसलिये यहां से आसानी से देश भर से लॉजिस्टिक संपर्क किया जा सकता है। प्रदेश में तेज गति से होता शहरीकरण, विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन जैसे शहरों में सशक्त इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित हो रहा है। राज्य में सस्ती भूमि और श्रम, सरल प्रशासनिक प्रक्रियाएं हैं और उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियाँ लागू की गई हैं। मध्यप्रदेश में केन्द सरकार की प्रधानमंत्री गति-शक्ति, अमृत 2.0 और स्मार्ट-सिटी जैसी योजनाओं से प्रदेश में समावेशी विकास हो रहा है।

निवेश और विकास के प्रमुख क्षेत्र– प्रदेश में विकास और निवेश शहरी परिवहन (मेट्रो, ई-बस, मल्टीमॉडल हब), किफायती आवास, स्लम पुनर्विकास, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, जलापूर्ति, सीवेज नेटवर्क, झील संरक्षण, डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस, भवन स्वीकृति प्रणाली और स्वच्छ ऊर्जा, हरित भवन, रिन्यूएबल इनफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। निवेशक इन क्षेत्रों में निवेश कर भविष्य में होने वाले लाभ के सहभागी हो सकते हैं।

प्रमुख आगामी अधोसंरचना विकास परियोजनाएँ– मध्यप्रदेश के भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना, स्मार्ट सिटी के तहत इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर्स, इंडस्ट्रियल टॉउनशिप्स, न्यू टॉउन डेवलपमेंट प्लान, नगरीय निकायों में आधुनिक वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट्स और स्ट्रीट वेंडिंग जोन, शहरी स्वास्थ्य केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण जैसी परियोजनाएं चल रही हैं और कुछ भविष्य के लिए प्रस्तावित हैं।

निवेश को साकार करने हेतु सुदृढ़ इको-सिस्टम– मध्यप्रदेश उद्योग विकास निगम उद्योगों को वन-स्टॉप सुविधा उपलब्ध करा रहा है। ई-नगर पालिका पोर्टल पर भी संबंधित सेवाएं रियल-टाइम ऑनलाइन उपलब्ध हैं। निवेश प्रोत्साहन के दृष्टिकोण से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को बढ़ावा दिया जा रहा है। निवेशकों के लिए स्पेशल पॉलिसी इंसेंटिव्स भी प्रारंभ किये गये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में देश के अलावा विदेश के निवेशकों से भी सघन सम्पर्क स्थापित किये गये हैं। उक्त के दृष्टिगत अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय डेवलपर्स के साथ करार होने की बड़ी संभावनाएं भी हैं। मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव राज्य को नगरीय पुनर्निर्माण और वैश्विक निवेश के पथ पर अग्रसर करेगा। यह आयोजन न केवल भौतिक अवसंरचना बल्कि डिजिटल, सामाजिक और आर्थिक विकास का भी सशक्त मंच बनेगा। प्रदेश सरकार इस अवसर को नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ने के एक निर्णायक कदम के रूप में देख रही है।

अभा रेबारी समाज मध्य प्रदेश का प्रतिभा सम्मान समारोह 13 को

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय रेबारी समाज मध्यप्रदेश बाबा रामदेव मंदिर कचनारा में 13 जुलाई 2025 रविवार के दिन यह कार्यक्रम रेबारी समाज मध्य प्रदेश द्वारा रखा गया है जिसमें वरिष्ठ अतिथि, गुरुदेव श्री श्री 1008 त्रिलोक नाथ जी महाराज, श्री श्री 1008 चैतन्य नाथ जी महाराज, अखिल भारतीय रेबारी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष खेमराज जी रेबारी, राष्ट्रीय पशु पालक संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह जी रेबारी, राजस्थान पुलिस सब इंस्पेक्टर मनीषा रेबारी , हंसराज जी रेबारी यह सब वरिष्ठ तिथि हमारे मध्य प्रदेश की धरती भगवान श्री पशुपतिनाथ की नगरी मंदसौर बाबा रामदेव मंदिर कचनारा समाज हमेशा शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़े प्रदेश और देश का नाम रोशन करें, समाज के होनहार छात्र छात्रों को अखिल भारतीय रेबारी समाज मध्य प्रदेश की तरफ से शील्ड और प्रमाण पत्र और माला पहनकर उनका आदमी स्वागत करेंगे।

कलेक्टर, एडीएम एवं सीईओ ने जनसुनवाई के दौरान 85 मामलों में सुनवाई की...

स्कूलों में शत प्रतिशत पुस्तक वितरण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 85 आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मंदसौर जिले के सुर्याखेड़ा निवासी आवेदक सोहनलाल ने जमीन पर कब्जा के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर एसडीओ सीतामऊको निर्देश दिए कि जांच कर कब्जा दिलाने की कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के टाटका निवासी तुफानसिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर सीईओ सीतामऊको निर्देश दिए कि पात्रता अनुसार कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के गोकुलपुरा निवासी प्रभु ने भूमि नामांतरण के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर तहसीलदार सीतामऊ को निर्देश दिए कि जांच कर कार्यवाही करें। मंदसौर जिले के भुवानगढ निवासी रमेशदास ने मुआवजा राशी के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर एसडीओ सीतामऊको निर्देश दिए कि जांच कर मुआवजा राशि प्रदान करवाए। इसके साथ ही जनसुनवाई के दौरान अलग अलग तरह-तरह की समस्याओं के आवेदन आये। जन सुनवाई के पश्चात कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सभी स्कूलों में शत प्रतिशत पुस्तक वितरण कर लिखित में प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। जिन महर्षि सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण हो गया उनको हैंडओवर कर कक्षा संचालित करें। मत्स्य विभाग को निर्देश देते हुए कि शिवना नदी में गंदे पानी से जो मछलियां मर रही है, उस संबंध में जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत शिकायतों का गुणवत्ता से निराकरण करें। स्वास्थ्य विभाग इस बात का विशेष पर ध्यान रखें कि एनआरसी में कितने बच्चे हैं, कितने स्वस्थ होकर गए हैं, उन सभी की प्रॉपर ऑनलाइन एंट्री हो, इसकी रिपोर्ट भी भेजें।

जगदीश मंदिर के पीछे शिवना नदी के तट पर पौधरोपण किया

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नगरपालिका परिषद मंदसौर के द्वारा मंगलवार को खानपुरा स्थित श्री जगदीश मंदिर के पीछे शिवना नदी के किनारे नगरपालिका की खुली भूमि पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भगवान श्री जगन्नाथ बलभद्र एवं सुभद्रा जी की 500 वर्षों से अधिक पुरानी प्रतिमा जो मंदिर में स्थापित है उनकी महाआरती एवं 56 भोग के पूर्व गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज एवं मंदिर ट्रस्ट के सहयोग से यहां वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर नगरपालिका गरीबी उन्मूलन समिति सभापति श्री रमेश ग्वाला

लोक निर्माण सभापति श्रीमती निर्मला चंदवानी नगरपालिका जलकार्य सभापति श्री निलेश जैन धर्म सेवी पंडित शिवकरण प्रधान पार्षदगण सुनीता अशोक भावसार, श्रीमती माया भावसार, श्रीमती भावना जय प्रकाश पमनानी, समाजसेवी श्री अनिल गुप्ता श्री रामेश्वर मकवाना, श्री योगेश गुप्ता मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष श्री गोपाल कृष्ण पचारिया, समाजसेवी पंडित अरुण, दिनेश लोढ़ा नयापुरा, परसराम जागीड, खूबचंद शर्मा, बब्बू पमनानी, अशोक भावसार, राजेंद्र परमार, नंदलाल परमार, अभिमन्यु सिंह मंडलोई, अनुशील गुप्ता, दर्शिल गुप्ता, अनिल शर्मा बीमा हॉस्पिटल, अशोक नागदा, बृजेश ब्रिस्टर, पंडित आशुतोष उपाध्याय, जुगल किशोर भावसार, पंडित गौतम उपाध्याय, श्रीमती पूर्वि पंचारिया सुनील व्यास इंजीनियर, पंडित दिलीप दुबे, बंसीलाल टॉक, सुमन गुप्ता आदि ने यहां पौधरोपण किया तथा बाद में मंदिर परिसर में आयोजित महाआरती में भी सहभागिता की नगर पालिका के द्वारा यहां लगभग 50 छायादार वह फूलदार पौधे लगाए गए श्रीमती गुर्जर ने यहां सभी से पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने एवं पेड़ पौधे की देखरेख करने का आहवान किया।

तीन माह से बिछड़ी 27 वर्षीय कीर्ति बैन को अनामिका जैन आश्रय गृह ने परिवार से मिलाया

कलेक्टर ने अनामिका जैन आश्रय गृह पहुंचकर बिछड़े परिवार से मुलाकात की

मंदसौर, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। कौशल्या धाम, निराश्रित विक्षिप्त महिला आश्रय ग्रह एवं पुनर्वास केन्द्र मंदसौर जो कि अनामिका जनकल्याण सेवा समिति एवं जनसहयोग द्वारा संचालित किया जाता है। विगत तीन माह से बिछड़ी 27 वर्षीय कीर्ति बैन को अपने परिवार से मिलाया। आज कीर्ति बैन का परिवार उन्हें लेने के लिए आश्रय ग्रह में आया। कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने अनामिका जैन आश्रय गृह पहुंचकर बिछड़े परिवार से मुलाकात की। परिवार से बिछड़ी कीर्ति बैन का उनके परिवार से पुनर्वास करवाया। कलेक्टर ने परिवार जनों को शुभकामनाएं प्रदान की।

कीर्ति बैन और उनका परिवार गुजरात– जिला पंचमहल, तहसील कोलंबा के गांव जोरापूरा में रहता है। तथा ये मजदूरी करके अपना जीवन यापन करते हैं। कीर्ति बैन के पति अभय सिंह है। इनका एक बेटा सचिन तथा एक बेटी काजल है। कीर्ति बैन आज से 3 माह पहले अपने परिवार से बिछड़ गई थी, अनामिका आश्रय गृह को ये 24 जून को मिली। उसके पश्चात आश्रय गृह ने इनकी लगातार काउंसलिंग की। इनके बारे में जानकारी निकाली। जानकारी में यह पता चला कि ये गुजरात से रहने वाले हैं। उसके पश्चात फिर उनके परिवार से संपर्क किया और आज इनका परिवार इनको आश्रय गृह लेने आया। कीर्ति बैन सहित इनका परिवार जब आपस में मिले तो बहुत खुश हुए। बिछड़ा परिवार ने कलेक्टर तथा आश्रय गृह को कोटि-कोटि धन्यवाद दिया है। कौशल्या धाम, निराश्रित विक्षिप्त महिला आश्रय ग्रह एवं पुनर्वास केन्द्र में कई बेसहारा महिलाओं को आश्रय प्रदान किया है। जिसमें विक्षिप्त महिलाओं को आश्रय, चिकित्सा एवं पुनर्वास प्रदान किया जाता है। अब तक इनके द्वारा 44 महिलाओं को पुनर्वास प्रदान किया।

25 करोड़ कर्मचारी आज हड़ताल पर, बैंक-डाकघर में काम बंद रहेगा, ट्रेड यूनियन्स का दावा

नई दिल्ली, 8 जुलाई। बैंक, बीमा, डाक, कोयला खनन, हाईवे, निर्माण, और कई राज्यों में सरकारी परिवहन जैसी अहम सेवाएं कल यानी 9 जुलाई को प्रभावित हो सकती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और उनके सहयोगी संगठनों का दावा है कि देशभर में कल 25 करोड़ से ज्यादा कर्मचारी हड़ताल पर रहेंगे। ट्रेड यूनियंस निजीकरण और 4 नए लेबर कोड के विरोध में हैं। ये केंद्र की उन नीतियों का विरोध कर रही हैं, जिन्हें वे मजदूर-विरोधी, किसान-विरोधी और कॉर्पोरेट समर्थक मानती हैं। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के मुताबिक देश में पब्लिक और प्राइवेट सेक्टर में 56 करोड़ कर्मचारी है। इसमें इनफॉर्मल सेक्टर में 50 करोड़ और फॉर्मल सेक्टर में 6 करोड़ कर्मचारी है।

कार्यालय जेल अधीक्षक जिला जेल मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक/972/निर्वाह/2025 मंदसौर, दिनांक-08.07.2025

✻✻✻✻ सीमित ई-निविदा आमंत्रण सूचना ✻✻✻✻

समस्त पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि जिला जेल मंदसौर में परिरूद्ध बंदियों हेतु ट्यूबवेल खनन, सबमर्सिबल पम्प, पाईप, केबल एवं स्टार्टर हेतु सीमित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित समस्त जानकारी www.mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है-

क्रं.	विवरण	दिनांक/समय	स्थान
1	प्री-बिड मीटिंग	दिनांक 23.07.2025 प्रातः 01.00 बजे	जिला जेल, मंदसौर
2	निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि	दिनांक 26.07.2025 प्रातः 11.00 बजे	https://mptenders.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है।
3	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	दिनांक 26.07.2025 शाम 05.00 बजे	https://mptenders.gov.in पर स्वीकार की जावेगी।
4	तकनीकी निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 28.07.2025 दोपहर 01.00 बजे	जिला जेल, मंदसौर
5	वित्तीय निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 29.07.2025 दोपहर 01.00 बजे	जिला जेल, मंदसौर

नोट- ई-निविदा फार्म वेबसाईड www.mptenders.gov.in पर ऑनलाईन सिस्टम पर क्रेडिट कार्ड या ऑनलाईन भुगतान कर ही क्रय किये जा सकेंगे। ई-निविदा या उससे संबंधित समस्त जानकारी उपर दर्शित वेबसाईट पर देखें।

जेल अधीक्षक
जिला जेल मंदसौर (म.प्र.)

G-15351/25 देर से घर आए लेकिन दुरूस्त आए, धीरे चले सुरक्षित चले।

तबादले का आदेश नहीं मानने वाले एसआई समेत आठ पुलिसकर्मी निलंबित

भोपाल, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। राजधानी में कई वर्षों से एक ही थाने में जमे पुलिसकर्मियों को हटाने लिए पिछले दिनों स्थानांतरण आदेश जारी किए गए थे। डीजीपी के निर्देश के बाद यह फेरबदल किया गया था। आदेश के बाद कई थानों से खबरें आ रही थीं कि सालों से तैनात पुलिसकर्मी नई पदस्थापना पर जाने को तैयार नहीं हैं। वे इधर-उधर से तबादला निरस्त करने के प्रयास कर रहे हैं कि किसी तरह दूसरे थाने में जाने से बच जाएं। जब पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी को यह जानकारी हुई कि कुछ पुलिसकर्मियों ने तबादला होने के बाद भी निर्धारित समय- सीमा में नवीन पदस्थापना पर ज्वाइनिंग नहीं दी है तो उन्होंने डीसीपी मुख्यालय श्रद्धा तिवारी को तबादला आदेश न मानने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने के निर्देश दिए। इसके चलते डीसीपी मुख्यालय ने तत्काल प्रभाव से उपनिरीक्षक साबिर खान, एएसआई राम अवतार, प्रधान आरक्षक नरेश कुमार शर्मा, मनोहर लाल, चंद्रमौल मिश्रा, वीरेन्द्र यादव तथा आरक्षक कपिल चंद्रवंशी और प्रशांत शर्मा शामिल हैं।

जीजा ने साले को पीटा, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जीजा ने साले को पीटा, पुलिस ने केस दर्ज किया। लिलदा निवासी अनिल पिता केशुराम बंजारा ने नाहरगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि जीजा राहुल पिता नारायण बंजारा, निवासी निरधारी मेरी बहिन को लेने आए। मैंने कहा शराब पीना छोड दो में बहन लीला को भेज दूंगा। तो राहुल ने गाली-गलौज की व सिर पकड़कर खंबे से ठोक दिया। जिसे चोंट आई।

नेत्र परीक्षण शिविर 18 को

पिपलियामंडी, 08 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री लाभमुनि जनसेवा चिकित्सालय व श्री सनातन धर्मसेवा समिति के तत्वाधान में निःशुल्क नेत्र परीक्षण व मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर 18 जुलाई को प्रातः 9 से दोपहर 1 बजे राधाकृष्ण गौशाला बरखेडापंथ स्थित श्री सांवलिया सेठ मंदिर परिसर में होगा। मरीजों को निःशुल्क दवाईयां दी जाएगी व चयनित रोगियों का ऑपरेशन लाभमुनि जन सेवा ट्रस्ट मंदसौर में होगा।

✻ उठावना ✻

पं. जगदीश लाड के छोटे भाई अनंत नारायण (गुड्डूमहाराज हलवाई) की धर्मपत्नी, पूजा शर्मा की माताजी, गोपाल अशोक की भाभीजी, कमलेश खगेश की काकीजी एवं अनुराग लक्की की बडी मम्मी एवं आदित्य की छोटी दादी श्रीमती सुनीता शर्मा का आकस्मिक निधन 7 जुलाई 2025 को प्राप्त: हो गया है जिनका उठावना दिनांक 9 जुलाई, बुधवार को दोपहर 1 बजे स्थान जगदीश विलास जीवागंज मंदसौर पर रखा गया है।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
पं. जगदीश लाड
गुड्डूमहाराज हलवाई
व लाड आचार्य परिवार

✻✻✻ नाम परिवर्तन सूचना ✻✻✻

मैं DEEPAK KUMAR OJHA निवासी- हाउस नं. सी-17, वार्ड नं. 37, रामटेकरी, सिद्धचक्र विहार, मंदसौर (म.प्र.) पिनकोड-458001 का होकर आज दिनांक से अपना नाम परिवर्तन कर DEEPAK OJHA रख रहा हूं। अतः सर्व साधारण को सूचित करता हूं कि आज दिनांक से मुझे मेरे नये नाम DEEPAK OJHA के नाम से जाना व पहचाना जाए।

✻✻✻✻✻✻ भवदीय ✻✻✻✻✻✻
DEEPAK OJHA S/o Ramlal Ojha
निवासी- हाउस नं. सी-17, वार्ड नं. 37, रामटेकरी, सिद्धचक्र विहार, मंदसौर (म.प्र.)

सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, मंदसौर (म.प्र.)

Website: www.spgmcmandsaur.org Email-deanspgmomandsaur@gmail.com
ई-निविदा tender id:- 2025 DME 4262892

// निविदा आमंत्रण सूचना //

सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मंदसौर के महाविद्यालय में लेखन सामग्री (स्टेशनरी) क्रय करने हेतु खुली पुनर्निविदा का आमंत्रण

सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय मंदसौर के महाविद्यालय में लेखन सामग्री (स्टेशनरी) क्रय करने हेतु खुली पुनर्निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसको रू. 1000+GST/- का शुल्क ऑनलाईन जमा कर क्रय किया जा सकेगा। निविदा प्रपत्र मध्यप्रदेश के e-procurement portal www.mptenders.gov.in से Online क्रय की जा सकती है। ऑनलाईन देखने/पढ़ने के बाद दिनांक 07-07-2025 प्रात: 11:00 बजे से क्रय किया जा सकेगा। निविदाकर्ता को अग्रिम धरोहर राशि (Earnest Money Deposit 20,000/- (रूपये बीस हजार रूपये मात्र) ऑनलाईन जमा करनी होगी। सफल निविदाकार की धरोहर राशि निष्पादन प्रतिभूति (Performance Guarantee) की राशि जमा करने तक सुरक्षित रहेगी। असफल रहे निविदाकर्ताओं को अथवा निविदा प्रक्रिया के असफल होने पर निविदा धरोहर राशि नियमानुसार संबंधितों को ऑनलाईन वापिस की जावेगी।

अधिष्ठाता
सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, मंदसौर

G-15313/25 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी किटियानी मंदसौर स्थित भूखण्ड क्रमांक LII-106 श्री सागरमल जैन पिता श्री रतनलाल जैन को वर्ष 1989 में आवंटित किया गया था। इनके द्वारा अपने पुत्र श्री अनिल कुमार जैन नाम जुडवाकर भूखण्ड का पट्टाभिलेख दिनांक 31.03.2008 को संयुक्त रूप से पंजीबद्ध करवाया गया था। उक्त भूखण्ड का लीज नवीनीकरण दिनांक 14.08.2019 को इनके पक्ष में पंजीबद्ध करवाया गया था। श्री सागरमल जैन पिता श्री रतनलाल जैन द्वारा उक्त भूखण्ड में से अपना हक़ त्यागकर अपने पुत्र श्री अनिल कुमार जैन के पक्ष में हक़त्याग रजिस्ट्री दिनांक 30.06.2025 को पंजीबद्ध करवाई गई है। उक्त रजिस्ट्री एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर श्री अनिल कुमार जैन पिता श्री सागरमल जैन उक्त भूखण्ड का नामान्तरण अपने नाम पर करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भूखण्ड का नामांतरण श्री अनिल कुमार जैन पिता श्री सागरमल जैन के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय अभिभाषक - पुखराज दशोरा एडवोकेट
अनिल दशोरा एडवोकेट

ईडबल्यूएस- 40, मेघदुत नगर-मन्दसौर मो. 9300732858
दिनांक-08/07/2025

-:: खण्डन जाहिर सूचना ::-

श्री अनिल अठवाल एडवोकेट, मन्दसौर के द्वारा उनके पक्षकार श्री नवीन कुमार पिता अरूण कुमार जी शोपुरकर निवासी-बालागंज, मन्दसौर की ओर से दिनांक-02/04/2025 के दैनिक गुरू एक्सप्रेस समाचार पत्र में भूखण्ड क्रं.- 139 तिलक नगर, मन्दसौर के सम्बंध में प्रकाशित जाहिर सूचना का खण्डन हमारी पक्षकारा श्रीमती रामकन्याबाई पति रमेशचन्द्र जी बसेर निवासी मल्हारगढ़ की ओर से निम्नवत किया जाता है कि :-

1-यह कि, स्व.श्रीमती अनीता पति स्व.अनिल कुमार जी शोपुरकर के द्वारा भूखण्ड क्रं.-139 क्षेत्रफल 1000 वर्गफीट (25×40) श्री सुमतीलाल पिता इन्दरमल जी जैन मुख्तयारआम पुखराज पिता सुन्दरलाल जी जैन से जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रय किया था, ओर उक्त भूखण्ड स्व.अनीता शोपुरकर की स्वअर्जित सम्पत्ति है, और विक्रय करने के समस्त अधिकार उन्हें प्राप्त थे, इसी के चलते स्व. अनीता के द्वारा अपने जीवनकाल में उक्त भूखण्ड का पश्चिम भाग पूर्व से पश्चिम 12.6 फीट, उत्तर से दक्षिण-40 फीट श्रीमती राधाबाई माली को जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक- 25/08/2018 से अंतरित किया है, ओर राधाबाई माली से हमारी पक्षकारा ने दिनांक-23/09/2021 को उक्त भूखण्ड का पश्चिमी भाग जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र क्रय किया है। नगर पालिका में मुल धारक के स्थान पर अनीता पति अरूण कुमार शोपुरकर दर्ज है। स्व. अनीता के द्वारा वर्ष 2015 में कृष्णा सहकारी संस्था मर्या. मन्दसौर से व्यक्तिगत ऋण प्राप्त किया गया था, जिसकी पूर्व में हमारे पक्षकार या राधाबाई माली को कोई जानकारी नहीं रही है, और उक्त ऋण का कोई भी भार-बोझ उक्त भूखण्ड क्रं. 139 पर नहीं है, ओर ना ही भूखण्ड संस्था में बंधक है, स्व. अनीता शोपुरकर की मृत्यु पश्चात् उनके वारिसों की हैसीयत से उनके पुत्र नवीन व नीतिन को ऋण भुगतान करना है, किन्तु उनके द्वारा भूगतान से बचने के लिये भ्रामक जाहिर सूचना का प्रकाशन करवाया गया है, उक्त भूखण्ड का आधा हिस्सा पश्चिमी भाग जो हमारे पक्षकार द्वारा क्रय किया गया है, उस पर हमारा पक्षकार काबिज है, शेष भाग पर नवीन पिता अरूण कुमार काबिज है। हमारे पक्षकार द्वारा क्रय किया गया भूखण्ड (पश्चिमी भाग) के सम्बंध में प्रकाशित जाहिर सूचना का खण्डन किया जाता है, कोई भी व्यक्ति या संस्था उक्त जाहिर सूचना के बहकावे में न आयें। सो सूचित हो।

भवदीय
अनिल दशोरा, एडवोकेट

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)
दिनांक- 08.07.2025

✻✻✻जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अरविन्दसिंह पिता भंवरसिंह जाति-राजपुत निवासी ग्राम बूढ़ा तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का आवासीय मकान जो भूमि सर्वेक्षण संख्यांक 2628 (बी), भूखंड क्रमांक 1092 (पी) व सर्वेक्षण संख्यांक 2628 (बी), भूखण्ड क्रमांक 1094 (पी) ग्राम बुढ़ा गाईड लाईन अनुसार प.ह.नं. 00112. तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर में स्थितं है, जिसका सह स्वामित्व विलेख ई-पंजीकरण क्रमांक-MP15IGR17852025A100575562 दिनांक 07.07.2025 से पत्नि श्रीमती मीनाकुंवर पति अरविन्द सिंह झाला जाति-राजपुत, निवासी ग्राम बूढा तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर को अपना सहस्वामी बनाया गया है। उक्त मकान की चर्तु:सीमा व पैमाईश निम्नवत है-

चर्तु:सीमा-पूर्व में-5 फीट गली, पश्चिम में-गली, उत्तर में-गली व कालुसिंह परिहार का मकान, दक्षिण में -ललिता सेन पति कैलाश का मकान, कुल क्षेत्रफल 91 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर अरविन्दसिंह पिता भंवरसिंह झाला द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो या कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)
दिनांक- 08.07.2025

✻✻✻जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जेतराम पिता मोतीलाल जाति-मीणा निवासी ग्राम डोडिया मीणा तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का आवासीय मकान जो भूमि सर्वेक्षण संख्यांक 351 (बी), भूखण्ड कमांक 15 (पी) ग्राम डोडिया मीणा गाईड लाईन अनुसार प.ह.नं. 00105, तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर में स्थित है, जिसका सह स्वामित्व विलेख ई-पंजीकरण कमांक-MP15IGR17852025A100574558 दिनांक 07.07.2025 से पत्नि श्रीमती इंद्राबाई पति जेतराम जाति-मीणा, निवासी ग्राम डोडिया मीणा तहसील मल्हारगढ़ जिला मंदसौर को अपना सहस्वामी बनाया गया है। उक्त मकान की चर्तु:सीमा व पैमाईश निम्नवत है-

चर्तु:सीमा- पूर्व में-मांगीलाल पिता कंवरलाल का मकान (प्लाट न. 16), पश्चिम में-माधु पिता भागीरथ का मकान (प्लाट न. 14), उत्तर में- माधु पिता भागीरथ का बाडा (प्लाट न. 14), दक्षिण में-रास्ता, कुल क्षेत्रफल -84 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर जेतराम पिता मोतीलाल द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो या कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गाँधी नगर मंदसौर स्थित भवन क्रमांक MIG.JR-52 श्री चंद्रवीर सिंह डोडिया पिता श्री कृष्णब्रजराज सिंह डोडिया मण्डल आदेश क्रमांक 443 दिनांक 10.03.2025 द्वारा नामांतरित किया गया था। श्री चंद्रवीर सिंह डोडिया पिता श्री कृष्णब्रजराज सिंह द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्रीमती रजनी पंवार पति श्री प्रतुपाल सिंह पंवार को कर विक्रय पत्र दिनांक 23.04.2025 को इनके पक्ष में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो आधार पर उक्त भवन का नामान्तरण श्रीमती रजनी पंवार पति श्री प्रतुपाल सिंह पंवार अपने नाम पर करवाना चाहती है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के साथ इस कार्यालय भवन में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामांतरण श्रीमती रजनी पंवार पति श्री प्रतुपाल सिंह पंवार के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर
नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक EWS.B-106 जो श्री मदनलाल साहु पिता राधाकिशन साहु को मण्डल आदेश क्रमांक 8288 दिनांक 13.10.1983 द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनाक 04.05.2006 को इनके पक्ष में पंजीबद्ध करवाया गया था। श्री मदनलाल साहु पिता राधाकिशन साहु का स्वर्गवास दिनांक 25.07.2024 को हो जाने से इनके पुत्र श्री धर्मेन्द्र साहु पिता स्व. श्री मदनलाल साहु अपनी दोनों बहनों 1. श्रीमती सीमा राठौर पति श्री कुशल राठौर 2. श्रीमती उमा देवी राठौर पति श्री राजेश राठौर की सहमति एवं प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर उक्त भवन का नामातरण श्री धर्मेन्द्र साहु पिता स्व. श्री मदनलाल साहु अपने नाम करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मथ ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्री धर्मेन्द्र साहु पिता स्व. श्री मदनलाल साहु के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

(रिपुदमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in